लखनऊ
हिंदी दैनिक
आर्यावर्त क्रांति
गुरुवार 19 फरवरी, 2026
वर्ष : 11 । अंक: 180
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8
UPHIN/2014/57034

"सफलता बहानों से नहीं, अपनी कमज़ोरियों को जीत में बदलने की हिम्मत से मिलती है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi
NIGHT 10° Low

भागवत ने पश्चिमी देशों पर लगाया 'जड़वाद' फैलाने का आरोप: अमेरिका और चीन पर साधा निशाना

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने पश्चिमी देशों पर "जड़वाद" फैलाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि इन देशों की सोच है कि बलशाली बनकर खुद जियो और जो भी बाधक बने उसे मिटा दो, और आज यही काम अमेरिका और चीन कर रहे हैं।

भागवत ने यह भी कहा कि भारत को अगर 'विश्व गुरु' बनना है तो उसे सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली बनना होगा। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, भागवत ने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित शोधार्थी संवाद कार्यक्रम में कहा कि वर्तमान में वैश्वीकरण का मतलब बाजारीकरण से है, जो खतरनाक है। उन्होंने कहा, "पश्चिमी देशों ने जड़वाद फैलाया। उन देशों की सोच है कि बलशाली बनकर खुद जियो और बाकी को छोड़ दो, जो बाधक बने उन्हें मिटा दो। यही काम आज अमेरिका और चीन कर रहे हैं।" भागवत ने कहा कि आज दुनिया भर की समस्याओं का जवाब भारत के पास है, मगर यदि उसे विश्व गुरु बनना है तो सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली बनना होगा, क्योंकि दुनिया तभी मानती है जब सत्य के पीछे शक्ति हो। संघ प्रमुख ने शिक्षा और स्वास्थ्य के व्यवसायीकरण का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य मूलभूत आवश्यकताएं है और यह व्यवसाय नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सबके लिए सुलभ होने चाहिए। भागवत ने अंग्रेजों पर भारत की शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम के लोगों ने भारत की शिक्षा व्यवस्था हटाकर अपनी व्यवस्था थोपी, जिससे उन्हें काम करने के लिए "काले अंग्रेज" मिल जाएं। उन्होंने कहा, "अंग्रेजों ने जो बिगाड़ा उसको ठीक करना होगा।" आरएसएस प्रमुख ने कहा, "संघ का कार्य देश को परम वैभव सम्पन्न बनाना है और संघ को समझना है तो संघ के अंदर आकर कर देखें, क्योंकि संघ को पढ़ कर नहीं समझा जा सकता।" उन्होंने कहा, "संघ को सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने वाला एक ही काम करना है। संघ किसी के विरोध में नहीं है। संघ को लोकप्रियता, प्रभाव और शक्ति नहीं चाहिए।" भागवत ने शोध की भूमिका के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की दिशा और दशा बदलने में शोध की बड़ी भूमिका है। उन्होने शोधार्थियों से कहा कि जो भी शोध करें उसे उत्कृष्ट रूप से, प्रामाणिकता पूर्वक और निःस्वार्थ भाव से देश के लिए करें। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ को लेकर बहुत "दुष्प्रचार" होता है, और शोधार्थियों को सत्य सामने लाना चाहिए। उन्होंने धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "सृष्टि जिन नियमों से चलती है वह धर्म है। धर्म सबको सुख पहुंचाता है। हमारी सभी बातों में धर्म लागू है।" विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) संबंधी नये नियमों को लेकर जारी बहस के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं से मुलाकात की।

'अमेरिका–चीन पर निर्भर नहीं रहना हमारी प्राथमिकता', फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत और फ्रांस, साथ ही यूरोप, तकनीकी और डिजिटल क्षेत्र में किसी भी देश विशेष जैसे अमेरिका या चीन पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहते। मैक्रों ने जोर देकर कहा कि उन्हें एक विस्तृत और समावेशी तकनीकी मॉडल चाहिए, जिसमें दोनों देश वैश्विक समाधान का हिस्सा बनें।

मैक्रों ने कहा 'हमारे लिए जरूरी है कि हमारे पास डेटा सेंटर, कंप्यूटिंग क्षमता और प्रशिक्षित टैलेंट हों। यह पूरी तरह कौशल, पूंजी और कंप्यूटिंग क्षमता से जुड़ा है। हमें भरोसा है कि हमारे पास बहुत सारे संसाधन हैं और हम इस दौड़ में शामिल हैं। हालांकि हम अमेरिका और चीन से पीछे हैं, लेकिन हम प्रतिस्पर्धा में हैं।' राष्ट्रपति मैक्रों का यह बयान भारत और फ्रांस के बीच तकनीकी सहयोग, डिजिटल स्वतंत्रता और नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी को और मजबूत करने का संकेत देता है। उनके अनुसार, दोनों देश वैश्विक तकनीकी समाधान और नए नवाचारों में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं।

'पायजामा का नाड़ा खोलना रेप की कोशिश नहीं' सुप्रीम कोर्ट ने पलटा इलाहबाद हाई कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि पायजामे का नाड़ा खींचना और स्तन छूना साफ तौर पर दुष्कर्म की कोशिश है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का विवादित फैसला भी पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि नाड़ा खींचना या तोड़ना सिर्फ दुष्कर्म करने की तैयारी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की और 10 फरवरी को उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने का आदेश दिया। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो कानून के तहत आरोपियों के खिलाफ लगे सख्त आरोपों को भी बहाल कर दिया। 10 नवंबर 2021 को एक महिला ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि वह और उसकी 14 साल की नाबालिग बेटी उसकी ननद के घर से वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान उनके गांव के ही पवन, आकाश और अशोक ने उनकी बेटी को मोटरसाइकिल पर घर छोड़ने की पेशकश की। महिला ने आरोप लगाया कि तीनों आरोपियों ने उसकी बेटी से छेड़छाड़ की और उसके पायजामे का नाड़ा भी खींच लिया। बच्ची की चीख सुनकर दो लोग वहां पहुंचे और उन्हें देखकर तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि विवादित आदेश आपराधिक न्यायशास्त्र के तय सिद्धांतों के गलत इस्तेमाल के कारण रद्द किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए, पोक्सो कानून के तहत दो आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म की कोशिश के आरोप बहाल कर दिया। पीठ ने फैसले में कहा, 'जो तथ्य बताए गए हैं, उन्हें देखते हुए, हम हाई कोर्ट के इस नतीजे से सहमत नहीं हो सकते कि आरोपी सिर्फ दुष्कर्म की तैयारी कर रहे थे, कोशिश नहीं।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन आरोपों को सिर्फ देखने से ही इस बात में जरा सा भी शक नहीं रह जाता कि आरोपियों ने दुष्कर्म की कोशिश के तय इरादे से ये सब किया। 17 मार्च, 2025 का विवादित फैसला रद्द किया जाता है, और स्पेशल जज (POCSO), कासगंज का 23 जून, 2023 का असल समन ऑर्डर बहाल किया जाता है।

असम विधानसभा चुनाव में बदलेगा मतदाता अनुभव, ईवीएम पर रंगीन फोटो, सीईसी ज्ञानेश कुमार का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को कहा कि चुनाव आयोग पिछले दो दिनों से असम में 2026 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रहा है और मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए मतदाता-केंद्रित उपायों की एक श्रृंखला की घोषणा कर रहा है। उन्होंने असम के 126 विधानसभा क्षेत्रों की संरचना का विवरण देते हुए बताया कि 98 सीटें सामान्य वर्ग के लिए, 19 सीटें अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए और 9 सीटें अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए आरक्षित हैं। यह राज्य की विविध जनसांख्यिकीय और चुनावी संरचना को दर्शाता है, जिसके लिए अनुकूलित रसद योजना की आवश्यकता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने राज्य की मतदाता सूचियों के हाल ही में संपन्न विशेष संशोधन (एसआर) पर विशेष जोर दिया और दोहराया कि इस गहन अभ्यास का प्राथमिक और अडिग उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से बाहर न रह जाए, साथ ही किसी भी अपात्र व्यक्ति को शामिल होने से रोकना था, जिससे संपूर्ण चुनावी ढांचे की मूलभूत अखंडता की रक्षा हो सके। विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान, मसौदा मतदाता सूची में 2.52 करोड़ मतदाता दर्ज किए गए थे। गहन सत्यापन, दावों के सत्यापन और आवश्यक विलोपन या परिवर्धन के बाद, अंतिम मतदाता सूची में अब 2.49 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो असम के राजनीतिक भविष्य को आकार देने के लिए तैयार हैं। असम में चुनाव तैयारियों की समीक्षा पर मीडिया को संबोधित करते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में किए जा रहे महत्वपूर्ण तकनीकी उन्नयन के बारे में विस्तार से बताया।

'कर्नाटक में करोड़ों रुपये की जमीन बेहद कम दाम में गांधी परिवार को दी गई', भाजपा का कांग्रेस पर बड़ा आरोप

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार पर एक और जमीन घोटाला करने का आरोप लगाया गया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक में करोड़ों रुपये के नगर निगम के प्लॉट बेहद कम दाम पर कांग्रेस भवन ट्रस्ट को दे दिए गए हैं। भाजपा नेता और पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये आरोप लगाए। गौरव भाटिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की पर्याय है, गांधी परिवार सिर्फ और सिर्फ सरकारी संपत्ति को हड़पने की कोशिश करता है, जैसा कि हमने नेशनल हेराल्ड केस में देखा है, इसलिए कांग्रेस को 'हड़पू परिवार' कहा जाए, तो यह गलत नहीं होगा।

नेशनल हेराल्ड केस में हमने देखा था कि कांग्रेस ने किस तरह से सरकारी संपत्ति को अपनी निजी संपत्ति बना लिया। इसी तरह रॉबर्ट वाड्रा, किसानों की जमीन हड़पकर उस पर निजी व्यवसाय करते हैं।

भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार का सरकारी जमीन से जो प्यार है, वह इस हद तक बढ़ गया है कि कर्नाटक में करीब दो दर्जन सरकारी जमीनें, जिनका उपयोग कर्नाटक की जनता के लिए सुविधाएं बढ़ाने के रूप में होना था, अब जनहित में इस्तेमाल नहीं हो रही हैं। इन जमीनों का उपयोग कांग्रेस भवन बनाने के लिए किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने निगम प्रशासन के 12 प्लॉट कांग्रेस भवन ट्रस्ट को दे दिए हैं। इसके साथ ही शहरी विकाश मंत्रालय के 12 और प्लॉट भी कांग्रेस भवन ट्रस्ट को सौंप दिए गए हैं। इन जमीनों की कुल कीमत 40–50 करोड़ रुपये बताई जा रही है, लेकिन कांग्रेस को ये प्लॉट सिर्फ 2 करोड़ रुपये में दे दिए गए हैं। भाजपा ने कहा, कीमती सरकारी संपत्ति को कथित तौर पर बहुत कम दामों पर ट्रांसफर करके गांधी परिवार की निजी संपत्ति में बदला जा रहा है।

पाकिस्तान को लगेगा एक और झटका, सिंधु के बाद अब रावी का भी पानी रोकेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद भारत अब पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका देने की तैयारी में है। केंद्र सरकार रावी नदी के भारत के हिस्से के पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। यदि यह योजना लागू होती है तो गर्मियों के दौरान पाकिस्तान में जल संकट और गहरा सकता है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर बन रही शाहपुर कंडी बांध परियोजना अब लगभग पूरी होने के करीब है। बताया जा रहा है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद रावी नदी के अतिरिक्त पानी को पाकिस्तान की ओर बहने से रोका जा सकेगा। जम्मू-कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राना ने कहा कि बांध के पूरा होते ही रावी के अतिरिक्त जल को कठुआ और सांबा जैसे सूखाग्रस्त जिलों की ओर मोड़ा जाएगा।

मुस्लिम आरक्षण रद्द करने पर महाराष्ट्र में सियासी संग्राम, गायकवाड़ बोलीं– लोकतंत्र के लिए खतरनाक

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मुस्लिम समुदाय को मिलने वाला पांच प्रतिशत आरक्षण एक बार फिर सियासी बहस के केंद्र में है। ऐसे में अब इस मामले में मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने राज्य की भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आरक्षण रद्द करने का फैसला सामाजिक न्याय और समान अवसरों की भावना के खिलाफ है। बुधवार को उन्होंने कहा कि भाजपा की अगुवाई वाली सरकार की तरफ से मुस्लिम समुदाय को मिलने वाला पांच प्रतिशत आरक्षण रद्द करना लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। उनका कहना है कि इस फैसले से मुस्लिम समाज मुख्यधारा से दूर हो सकता है।

बता दें कि इस मामले में सियासी संग्राम की शुरुआत तब हुई जब मंगलवार देर रात महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक न्याय विभाग की तरफ से मंगलवार देर रात जारी इस आदेश के मुताबिक अब मुस्लिम समुदाय के लोगों को पांच फीसदी आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। हालांकि, कानूनी रूप से यह आदेश करीब एक दशक से अमान्य था, लेकिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार के आदेश पर नए सिरे से चर्चा शुरू हो गई है। मुंबई नॉर्थ-सेंट्रल से सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि सरकार ने हाईकोर्ट के अंतरिम स्थगन आदेश और अध्यादेश की अवधि समाप्त होने का हवाला देकर पहले की प्रक्रिया को ही रद्द कर दिया।

श्रीनगर-बारामूला हाईवे पर संदिग्ध वस्तु बरामद, सुरक्षाबलों ने सील किया इलाका, मौके पर पहुंची बम स्क्वायड

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सुरक्षाबलों को सड़क के किनारे एक संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। ऐसी आशंका है कि यह आईईडी हो सकती है, जिसे किसी बड़ी साजिश के तहत वहां रखा गया था।ध्जवानों ने तुरंत इलाके को घेर लिया है और एहतियात के तौर पर दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही रोक दी है, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया है। जानकारी के अनुसार, पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है और जवानों ने आसपास के इलाकों में पेट्रोलिंग शुरू कर दी है।

फ्लॉप रहीं ममता बनर्जी, जनता को अब विकास करने वाली सरकार चाहिए : शाहनवाज हुसैन

पटना, एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए कहा कि अब उनकी विदाई का तारीख नजदीक आ चुकी है। उन्होंने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी फ्लॉप रही हैं और जनता को अब उनकी सरकार नहीं चाहिए। बंगाल की जनता को विकास करने वाली सरकार चाहिए। इसीलिए बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बंगाल में बदलाव पक्का है। भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आएगी। हम बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में जीते हैं। अब बंगाल में भाजपा का झंडा लहराएगा। दीदी बहुत दिनों तक बच नहीं सकती हैं। वे फ्लॉप हो गई हैं। वहां के लोग भाजपा की सरकार चाहते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि ममता बनर्जी तो खुद तुगलकी फैसले लेती हैं, इसीलिए उन्हें सब कुछ तुगलकी ही लगता है।

पश्चिम बंगाल से ममता बनर्जी की विदाई तय- प्रवीण खंडेलवाल

भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वे भी अन्य विपक्षी दलों की तरह संभावित हार से पहले भूमिका बनाने में जुट गई हैं ताकि जब विधानसभा चुनाव में हार हो तो बहाना पहले से ही तैयार रहे। नई दिल्ली में भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने चुनाव आयोग पर दिए गए बयान पर कहा कि ममता बनर्जी को अब विपक्षी पार्टियों की तरह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में शामिल होने की आदत हो गई है। वह जानती हैं कि पिछले पांच वर्षों में पश्चिम बंगाल में उन्होंने जिस तरह का शासन दिया है, उसकी आलोचना हुई है। इस बार पश्चिम बंगाल से उनकी सरकार की विदाई की संभावना को देखते हुए भूमिका बनाई जा रही है।

'देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं'

भाजपा सांसद ने कहा कि देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, क्योंकि वे बेकार हैं। वे हमारे देश के रिसोर्स का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, जिससे समाज का एक बड़ा हिस्सा वंचित रह जाता है। इसी कारण घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

डीसी दफ्तर की तरफ बढ़ रहे किसानों और पुलिस के बीच झड़प, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े

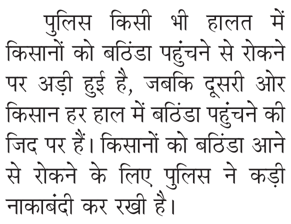

बठिंडा (पंजाब), एजेंसी। बठिंडा में डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के घेराव के लिए बढ़ रहे किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। इसके बाद किसानों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने बड़ी संख्या में आंसू गैस के गोले छोड़े।

जानकारी के अनुसार, भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता और नेता जिउंद गांव में एकत्र हो रहे थे, ताकि बठिंडा स्थित डिप्टी कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया जा सके। जब पुलिस को इसकी जानकारी मिली, तो बड़ी संख्या में पुलिस बल ने गांव को घेर लिया।

इस दौरान पुलिस और किसानों के बीच झड़प हो गई, जिसमें कुछ किसानों को मामूली चोटें भी आईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने भारी संख्या में आंसू गैस के गोले दागे।

पुलिस किसी भी हालत में किसानों को बठिंडा पहुंचने से रोकने पर अड़ी हुई है, जबकि दूसरी ओर किसान हर हाल में बठिंडा पहुंचने की जिद पर हैं। किसानों को बठिंडा आने से रोकने के लिए पुलिस ने कड़ी नाकाबंदी कर रखी है।

पुलिस ने की है कड़ी नाकाबंदी

किसानों के धरने को रोकने के लिए एक हजार से अधिक पुलिस कर्मी नाकों पर तैनात हैं। सिपाही से लेकर डीआईजी तक के पुलिस कर्मी एवं अधिकारी मैदान पर डटे हुए है।

किसान नेता शिंगारा सिंह मान ने बीती रात एक वीडियो जारी करके कहा कि किसान हर हालत में धरना देने पहुंचेगें। भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के जिला अध्यक्ष शिंगारा सिंह मान ने बताया कि पिछले 11 माह से उनके किसान साथी जेल में बंद है। जिनकी रिहाई को लेकर वो समय समय पर प्रशासन को मिलकर मांग पत्र भी दे चुके हैं, लेकिन आज तक किसानों को रिहा नहीं किया गया।

उन्होंने बताया कि छह फरवरी को जब किसान धरना देने बठिंडा के डिप्टी कमिश्नर कार्यालय समीप पहुंच रहे थे तो भारी पुलिस फोर्स ने उन्हें रामपुरा के गांव जेठूके पास रोक लिया और किसानों को भगाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठियां तक किसानों पर चला दी थी।

संक्षेप

640 करोड़ रुपये का साइबर घोटाला: सुप्रीम कोर्ट ने सीए की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 640 करोड़ रुपये के साइबर घोटाले से जुड़े मामले में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) को अग्रिम जमानत देने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें सीए भास्कर यादव को अग्रिम जमानत देने से मना कर दिया गया था और उन्हें 10 दिनों में सरेंडर करने का निर्देश दिया गया था। हाई कोर्ट ने 2 फरवरी को यादव और अशोक कुमार शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थीं। फैसले में हाई कोर्ट ने कहा था कि यह मनी लॉन्ड्रिंग का एक पेचीदा जाल है, और ईडी द्वारा दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत गलत नहीं है। अदालत ने कहा, 'यह सिर्फ क्रिप्टोकरेंसी में डील करने का मामला नहीं है। यह पैसे के मूवमेंट का एक बड़ा और पेचीदा जाल दिखाता है, जो भोले-भाले निवेशकों की जेब से धोखे से निकाला गया है।' हाई कोर्ट ने कहा था कि व्यक्तिगत आजादी सबसे जरूरी है, लेकिन वे देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हित में सही पूछताछ करने की जरूरत को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) की दो FIR से शुरू हुई है। ये एफआईआर जुए, सट्टे और पार्ट-टाइम जॉब और फिशिंग स्कैम से हुए 640 करोड़ रुपये के साइबर घोटाले के आरोपों की जांच के लिए दर्ज की गई थीं। लोगों का पैसा 5,000 से ज्यादा भारतीय बैंक अकाउंट के जरिए ठगा गया और बाद में यूएई के पेमेंट प्लेटफॉर्म PYYPL पर अपलोड कर दिया गया। इसमें कहा गया है कि साइबर फ्रॉड के पैसे का कुछ हिस्सा दुबई में अलग-अलग भारतीय बैंकों के डेबिट और क्रेडिट कार्ड के जरिए कैश में निकाला गया।

रोबोट डॉग विवाद पर राहुल गांधी ने कहा- एआई समिट एक अव्यवस्थित तमाशा

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में एक यूनिवर्सिटी की तरफ से चीनी रोबोट डॉग प्रदर्शित किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे एआई समिट एक अव्यवस्थित पीआर तमाशा बताया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, भारत की प्रतिभा और डेटा का लाभ उठाने के बजाय एआई शिखर सम्मेलन एक अव्यवस्थित पीआर तमाशा है। भारतीय डेटा बेचा जा रहा है और चीनी उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इससे पहले, कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एआई को लेकर सरकार ने देश की छवि को पूरी दुनिया में हास्यास्पद बना दिया है। अभी चल रहे एआई समिट में चीनी रोबोट को हमारे अपने रोबोट के तौर पर दिखाया जा रहा है। चीनी मीडिया ने हमारा मजाक उड़ाया है। यह सच में भारत के लिए शर्मनाक है।
पार्टी ने आगे लिखा, इससे भी ज्यादा शर्मनाक बात यह है कि सरकार के मंत्री अश्विनी वैष्णव भी इसी झूठ में शामिल हैं, भारतीय समिट में चीन के रोबोट को प्रमोट कर रहे हैं।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर चेयरमैन की अध्यक्षता में आयोजित हुई नगर पालिका की तैयारी बैठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद सुलतानपुर सभाकक्ष में दिनांक 19 फरवरी से प्रारम्भ हो रहे रमजान एवं आगामी होली के पर्व दिनांक 04 मार्च 2026 के त्योहार के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रवीन कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र सरोज, सफाई विभाग, निर्माण विभाग, मार्ग प्रकाश एवं जल-कल विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की गयी।

पालिकाध्यक्ष ने बताया कि कल 19 फरवरी से प्रारम्भ हो रहे रमजान पर्व पर सभी अधिकारी व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि नगर में अभियान चलाकर वार्डों में सभी मस्जिदों के आस-पास की साफ-सफाई, गन्दगी होने पर कूड़ा उठान की तात्कालिक व्यवस्था एवं चूना छिड़काव इत्यादि की व्यवस्था व उनके निकट स्थित विद्युत पोलों पर प्रकाश की व्यवस्था, पेयजल हेतु रोस्टर के अनुसार निर्बाधित पेयजलापूर्ति किये जाने एवं लगे हैण्डपम्पों एवं अन्य को स्थलीय निरीक्षण कराकर ठीक कराया जाय व त्योहार पूर्व आवश्यकतानुसार सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाय व विशेष स्थानों से प्राप्त शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता पर किया जाय। सभी मस्जिदों के व्यवस्थापक व मौलाना साहेबान से मिलकर वहां की आवश्यकताओं एवं समस्या के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

इसी क्रम में आगामी पर्व होली की तैयारी के संबंध में पालिकाध्यक्ष ने बताया कि पूर्व की भाँति होली का पर्व मनाये जाने हेतु सभी जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि नगर में चिन्हित किये गये समस्त होलिकादहन स्थलों पर साफ-सफाई इत्यादि व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाय व होली के दिन निर्बाध रूप से पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाय, साथ ही पूर्व की भाँति माँग के अनुसार सार्वजनिक स्थलों पर पानी के टैंकर की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जल-कल विभाग द्वारा बताया गया कि लगभग 50 स्थलों पर टैंकर की व्यवस्था सुनश्चित की जायेगी। इसी के साथ सफाई विभाग को निर्देशित किया गया कि होली के दिन प्रातः 07:00 बजे तक नगर में साफ-सफाई व कूड़ा उठान का कार्य प्रत्येक दशा में पूर्ण करा लिया जाय।पालिकाध्यक्ष ने अपील की है कि सभी पर्व आपसी सद्भाव व प्रेम के साथ मनाये जांय, इसके लिए पालिका द्वारा योजना तैयार कर ली गयी है, किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रखी जायेगी। पूर्व की भाँति नगर पालिका प्रांगण में मनायी जाने वाली होली मिलन समारोह व ईद मिलन समारोह का आयोजन उसी दिन किया जायेगा। इस अवसर नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के सभासदगण, अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र सरोज, अवर-अभियन्ता सिविल सन्तोष कुमार, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक श्रीमती अधूलिका, अवर-अभियन्ता जल सुनील कुमार पाल, अवर-अभियन्ता सिवल नीलम कुमारी, राजस्व निरीक्षक प्रवीण सिंह व अनूप कुमार भारती तथा प्रभारी कार्यालय अधीक्षक पुनीत कुमार गुप्ता, प्रभारी मार्ग प्रकाश अजय तिवारी, प्र0लेखा लिपिक व स्टोर इंचार्ज सुनील कुमार श्रीवास्वत, प्र0 सफाई लिपिक प्रशान्त कुमार रावत, प्र0 जल-कल लिपिक पवन कुमार शुक्ल व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

परीक्षा के दबाव में इंटर की छात्रा ने फांसी लगाई

सुल्तानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के रामपुर बाबुआन गांव में इंटरमीडिएट की एक छात्रा ने घर के अंदर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार छात्रा इन दिनों बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परिजनों का कहना है कि वह पढ़ाई को लेकर तनाव में थी। बुधवार को वह अपने कमरे में गई और काफी देर तक बाहर नहीं निकली। परिजनों ने दरवाजा खोला तो वह फंदे से लटकी मिली। सूचना पर पहुंची हलियापुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। क्षेत्राधिकारी बल्दीराय आशुतोष कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतका की पहचान लक्ष्मी सेन (22) पुत्री जग नारायण यादव निवासी रामपुर बाबुआन के रूप में हुई है।

मालगाड़ी से टकराया ट्रैक्टर, उड़े परखच्चे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बुधवार को लखनऊ-वाराणसी रेल ट्रैक पर एक मालगाड़ी से ईंट लदा ट्रैक्टर टकरा गया। इस घटना में ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए और मालगाड़ी का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के कारण रेल ट्रैक लगभग सवा घंटे तक बाधित रहा। यह दुर्घटना बुधवार सुबह करीब साढे दस बजे थाना चांदा क्षेत्र के ग्राम सभा शेरपुर परशुरामपुर में पोल नंबर 887@22 और 887@24 के बीच हुई। मालगाड़ी के चालक ने दूर से ही ट्रैक्टर को देख लिया था और गति धीमी कर दी थी, जिससे एक बड़े हादसे को टाला जा सका। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। रेलवे पुलिस के मुताबिक, मालगाड़ी के इंजन का अगला बायां हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। घटना के बाद मालगाड़ी सुबह साढे दस बजे से दोपहर बारह बजे तक घटनास्थल पर रुकी रही। ट्रैक खाली होने के बाद ही मालगाड़ी को आगे रवाना किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया - ट्रैक्टर ट्रॉली कोइरीपुर से ईंटें लादकर शेरपुर परशुरामपुर में किसी अज्ञात स्थान पर ले जा रही थी। हालांकि, ट्रैक्टर चालक या मालिक के बारे में अभी तक कोई विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ पुलिस और थाना कोतवाली चांदा से सब इंस्पेक्टर अवधेश सिंह यादव तथा सब इंस्पेक्टर अजय यादव मौके पर पहुंचे।

व्यक्तिगत सुविधाओं के बजाय छात्र हित सर्वोपरि, तबादले को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई)-2009 के तहत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण अनिवार्य शिक्षा मिल सके, इसके लिए छात्र-शिक्षक अनुपात बनाए रखना राज्य की वैधानिक जिम्मेदारी है। ऐसे में शिक्षक की व्यक्तिगत सुविधाओं के बजाय छात्र हित सर्वोपरि है। इसी टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने प्रदेश सरकार की ओर से बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए जारी 14 नवंबर 2025 के शासनादेश को बरकरार रखते हुए पांच याचिकाएं निस्तारित कर दीं।

चित्रकूट से अरुण प्रताप सिंह समेत 38, मिर्जापुर से संगीता सिंह समेत 43, मैनपुरी से स्वदेश कुमार समेत 58, गोरखपुर से अभिषेक कुमार त्रिपाठी समेत 12, जालौन से अमनराज समेत छह शिक्षकों ने शासनादेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचियों के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर जारी शासनादेश मनमाना है। इसमें स्थानांतरण की स्पष्ट प्रक्रिया नहीं बताई गई है।

जुलाई के बजाय बीच सत्र नवंबर में शिक्षकों के समायोजन से पढ़ाई बाधित होती है। साथ ही अलग-अलग जिलों में अलग मानदंड अपनाए गए हैं। अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने दलील दी कि जिन विद्यालयों में शिक्षक कम या नहीं हैं, वहां बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ऐसे में सेवा शर्तों के तहत समायोजन जरूरी है।

कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक स्कूल में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की उपलब्धता अनिवार्य है। ऐसे में शिक्षकों का समायोजन छात्रों के हित में आवश्यक कदम है। कोर्ट ने यह भी माना कि नीति निर्माण और उसका क्रियान्वयन कार्यपालिका का विशेष अधिकार क्षेत्र है। जब तक कोई नीति मनमानी, भेदभावपूर्ण या कानून के विपरीत न हो, तब तक न्यायालय उसमें हस्तक्षेप नहीं करेगा।

शिक्षकों की शिकायतों का भी कोर्ट ने रखा ख्याल

कोर्ट ने कहा कि यदि स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता या मानकों को लेकर आपत्तियां हैं तो प्रभावित शिक्षक एक सप्ताह में जिला समिति के समक्ष आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। डीएम की अध्यक्षता में गठित समितियों को निर्देश दिया गया है कि वे शिक्षकों की आपत्तियों की सुनवाई कर एक महीने में तर्कसंगत निर्णय लें। साथ ही अधिकारियों को यू डायस प्लस पोर्टल पर शिक्षकों व छात्रों का सही डाटा अपडेट करने का निर्देश दिया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। प्रयागराज-अयोध्या हाइवे पर हुए एक सड़क हादसे में नाना और उनके नवासे की मौत हो गई। एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोग उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अहिमाने बाजार के पास हुई। मृतक की पहचान तिवारीपुर निवासी अरविंद श्रीवास्तव और उनके नवासे श्रेयांस श्रीवास्तव उर्फ चाहत के रूप में हुई है। श्रेयांस अमेठी जिले के पूरे लाला राम प्रसाद के रहने वाले थे। वे दोनों अहिमाने बाजार जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, जब नाना-नवासे हाइवे पर प्राइमरी स्कूल के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही एक रोडवेज बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों सड़क पर दूर जा गिरे।

बताया गया है कि दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल एक निजी वाहन से राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, लेकिन इमरजेंसी में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिवार में शोक छा गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाली देहात के एसओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर भिड़ीं दो युवतियां, एक-दूसरे के बाल खींचे, रोड पर हाईवोल्टेज ड्रामा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां दो युवतियां बीच सड़क पर आपस में भिड़ गईं। इस हंगामे का वीडियो स्थानीय लोगों द्वारा रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह विवाद पहले दोनों युवतियों के बीच हुई आपसी कहासुनी और गाली-गलौज से शुरू हुआ। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों युवतियां बीच सड़क पर ही हाथापाई पर उतारू हो गईं। सड़क पर अचानक हुए इस हंगामे ने राहगीरों को चौंका दिया और मौके पर मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

साथियों के हस्तक्षेप से मामला शांत

काफी देर तक चले इस हंगामे और मारपीट के बाद, दोनों युवतियों के कुछ साथी मौके पर पहुंचे और उन्होंने हस्तक्षेप कर दोनों को अलग किया। उनके प्रयासों से ही मामला शांत हो सका।

पुलिस को अभी तक कोई शिकायत नहीं

इस मामले में एसीपी इंदिरापुरम, अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस को अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई औपचारिक तहरीर या शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। स्थानीय लोगों से भी इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस इस मामले में जानकारी जुटा रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों युवतियों को मारपीट करते हुए देखा जा सकता है।

चचेरे मामा ने की भांजे की हत्या, सिर में घुसा मिला धारदार हथियार, अवैध संबंधों में बन रहा था बाधा

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के स्वार में अवैध संबंधों में बाधक बने चचेरे मामा ने भांजे की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली इलाके के मसवासी पुलिस चौकी के खौदकलां गांव में मंगलवार की रात लगभग पौने 12 बजे कथित अवैध संबंधों में बाधक बने चचेरे मामा ने भांजे मोहम्मद आकिल (28) की दरांती के प्रहार से हत्या कर दी।

चीख निकलने पर पड़ोसी ने आरोपी को भागते हुए देखा। मौके पर तमाम ग्रामीण इकठ्ठा हो गए। सूचना पर कोतवाल संजीव कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवा दिया। खौदकलां गांव के लोग मंगलवार की रात गहरी नींद में सो रहे थे तभी उन्होंने चीखों की आवाज सुनी।

लोग घरों से बाहर निकल आए और वह मोहम्मद आकिल के घर पहुंचे तो वो रक्तरंजित अवस्था में मिला। उसके सिर में दरांती घुसी हुई थी। घटना के समय वह घर में अकेला था। सूचना मिलने पर कोतवाली और मसवासी चौकी पुलिस आ गई। पुलिस को आकिल मृत अवस्था में में मिला। इसके चलते शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया।

घर में अकेला रहता था आकिल

आकिल के माता-पिता का काफी साल पहले निधन हो चुका है। एक बहन थी वह भी शादी के बाद अपनी ससुराल में रह रही है। आकिल की शादी हो चुकी है लेकिन पत्नी शाइस्ता लगभग छह माह पहले उसे छोड़ तीन बच्चों को लेकर अपने मायके जाकर रहने लगी है।

आरोप है कि आकिल को नशे की लत और आपराधिक गतिविधियों से नाराज होकर वह पहले भी कई बार पति को अकेला छोड़ कर मायके जा चुकी है। इस तरह अकील अपने घर में अकेला ही रह रहा था।

चचेरे मामा पर हत्या का आरोप

गांव में उसके चचेरे मामा नसीम उर्फ भूरा रहता है। उसकी शादी हुई थी लेकिन पत्नी तलाक लेकर उसे छोड़ गई। बताते हैं कि भांजा मोहम्मद आकिल अपनी पत्नी को घर लाना चाहता था लेकिन वह आने को तैयार नहीं थी। बताते हैं कि वह ममेरे ससुर नसीम उर्फ भूरा के सांपर्क में थी।

नसीम से मोबाइल पर बात करती थी। चर्चा है कि मोहम्मद आकिल को रास्ते से हटाकर वह उसकी पत्नी को खुद अपनी पत्नी बनाना चाहता था। संभव है कि इसी कारण मंगलवार की रात मोहम्मद आकिल की जघन्य हत्या कर दी गई।

चचेरा मामा पुलिस की हिरासत में

चीख पुकार सुनकर पड़ोसियों ने देखा कि नसीम उर्फ भूरा, मोहम्मद आकिल के घर से भागने का प्रयास कर रहा था। भीड़ जमा होने के कारण वह भाग नहीं सका। इसी दौरान कुछ देर में पुलिस आ गई और उसे कब्जे में ले लिया गया।

आकिल का है आपराधिक इतिहास

पुलिस और ग्रामीणों के मुटाविक आकिल का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है। उसके खिलाफ थाना टांडा के अलावा उत्तराखंड के रुद्रपुर और हल्द्वानी में चोरी के कई मुकदमे दर्ज हुए। वह कई बार जेल भी जा चुका था। इसके आलावा वह नशा भी करने लगा। शाइस्ता पति की इन हरकतों से तंग रहती ही और उसे छोड़कर अपने तीन बच्चों के मायके में रहने लगी।

भाभी ने तय कराई ननद की शादी, इसलिए बढ़ी नफरत, बुआ ने परिवार को बेहोश कर भतीजी को पानी में डुबोकर मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के शाहपुर के गांव बसी कलां में भाभी फिरदौस की ओर से रोजाना की जा रही टोका-टाकी ने ननद माना को नफरत से भर दिया। भाभी के परिवार के खात्मे की एक महीने तक साजिश रचती रही। चाय में नींद की गोलियों से परिवार नशे में सो गया तो सबसे पहले भाभी की लाडली इसरा को निशाना बनाया। पेट पर चाकू का वार होते ही फिरदौस पहले चीखी लेकिन इसके बाद बेहोश हो गई।

यही वजह है कि वह हमलावर के बारे में नहीं बता सकी। मां के पास सो रहे तीनों बच्चे भी मामूली घायल हुए। शोर-शराबे के बीच इसरा नहीं मिली तो अपहरण का शोर मचा। पुलिस को बरगलाने के लिए आरोपी ने बेसुध होने का नाटक रचा लेकिन खुद को बचा नहीं सकी।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मोबाइल पर किसी युवक से बात करती थी। भाभी नाराज थी और उसने दूसरी जगह ननद का रिश्ता तय करा दिया था। इसके बाद से ननद की नाराजगी और बढ़ती चली गई। इसरा से उसकी मां फिरदौस अधिक प्यार करती थी, इसी वजह से आरोपी के निशाने पर सबसे पहले मासूम ही आई।

चाय में दी गई नींद की गोलियों से परिवार नशे में सो गया तो आरोपी ने इसरा को उठाकर पानी के टैंक में डाल दिया और ढक्कन बंद कर दिया। पानी में डूब जाने से बच्ची की मौत हो गई।

फिरदौस ने कराया था आरोपी का रिश्ता, नाखुश थी ननद

इसके बाद आरोपी ने घर में रखे चाकू से भाभी के पेट पर वार किया। हमले से भाभी की चीख निकल गई, लेकिन अगले ही पल वह बेहोश हो गई। शोर-शराबे के कारण परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंच गए आरोपी ने बदमाशों का शोर मचा दिया। इसरा के अपहरण की जानकारी पुलिस को दी गई।

घायल को बेहोशी की हालत में परिवार के लोग पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए और यहां से मेरठ रेफर कर दिया गया। रात में फिरदौस से बातचीत नहीं होने के कारण गुत्थी पूरी तरह उलझ गई थी। पुलिस ने शक के आधार पर आरोपी को पकड़ा तो मामला खुलता चला गया।

मां से लिपटने के कारण चाकू की चपेट में आए

घटना के समय फिरदौस के तीन अन्य बच्चे शाद, आयशा व नबिया भी उसके पास लेटे हुए थे। पुलिस का कहना है कि जिस समय महिला पर हमला किया गया उसकी चीख सुनकर बच्चे जागकर अपनी मां से लिपट गए। अंधेरा होने के कारण उन्हें भी चाकू लग गया, जिससे वह मामूली घायल हुए हैं। इसके बाद बदमाश होने का शोर मच गया।

भाभी ने तय कराई माना की शादी... बढ़ गई नफरत

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ननद की शादी भाभी फिरदौस ने ही तय कराई थी। इसके बाद भी ननद का रवैया नहीं सुधरा, बल्कि वह मोबाइल पर प्रेमी से बात करती रहती थी। यह फिरदौस को अच्छा नहीं लगता था।

बुआ ने परिवार को बेहोश कर भतीजी को पानी में डुबोकर मार डाला

मुजफ्फरनगर के शाहपुर के बसी कलां गांव में माना (24) ने अपने पूरे परिवार को चाय में नशे की गोलियां पिलाकर बेहोश किया। भाभी फिरदौस पर चाकू से हमला किया और भतीजी इसरा (4) को घर में रखे पानी के टैंक में डुबोकर मार डाला। तीन बच्चों को भी घायल कर दिया। फिरदौस ननद को शादी तय होने पर प्रेमी से मोबाइल पर बात करने से मना करती थी।

बसी कलां गांव से सोमवार रात लगभग दो बजे बुजुर्ग यामीन के घर में उनकी पुत्रवधू फिरदौस पर हमला कर चार साल की पोती इसरा के अपहरण की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। घायल फिरदौस को मेरठ अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं घायल साद (10), आयशा (8), नबिया (7) का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराया गया। दो घंटे तलाश करने पर घर में ही रखे पानी के टैंक से मासूम इसरा का शव मिला। एसएसपी संजय वर्मा ने बताया कि ननद माना की शादी तय हो गई थी। वह गांव के ही अपने प्रेमी से बातचीत करती थी। फिरदौस मना करती थी। फिरदौस के भाई बुढ़ाना निवासी गुलजार ने प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 97 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ,सामूहिक विवाह संपन्न

बल्दीराय,सुल्तानपुर। विकास खंड बल्दीराय परिसर में बुधवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 97 जोड़ों का हिंदू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न कराया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रस्मों के बीच वर-वधू ने सात फेरे लेकर एक-दूजे का हाथ थामा। पूरे परिसर में मंगलगीतों और शहनाई की धुन से उत्सव जैसा माहौल बना रहा।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती ऊषा सिंह रहीं,जबकि अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने की।अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। मुख्य अतिथि ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संबल साबित हो रही है और समाज में समानता का संदेश दे रही है।

1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को गति: यूपी में 'कौशल कनेक्ट सेल' का गठन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प को साकार करने की दिशा में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश में निवेश करने वाले बड़े उद्योगों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित कार्यबल उपलब्ध कराने के लिए 'कौशल कनेक्ट सेल' का गठन किया गया है।प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि मिशन में प्रशिक्षण और सेवायोजन प्रक्रिया को गति देने के लिए स्पीडअप-पीएमयू को जोड़ा गया है।

यह पीएमयू अब 'कौशल कनेक्ट सेल' के माध्यम से निवेशकों के साथ रियल-टाइम समन्वय स्थापित करेगा।इस पहल का उद्देश्य इन्वेस्ट यूपी और उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के बीच प्रभावी तालमेल स्थापित करना है, ताकि प्रदेश में आने वाले बड़े निवेश को समय पर स्किल्ड मैनपावर मिल सके। 'कौशल कनेक्ट सेल' प्रतिदिन इन्वेस्ट यूपी के साथ समन्वय कर परियोजनाओं की स्थिति अपडेट रखेगी। साथ ही, किस जिले में कितना निवेश आ रहा है और किस सेक्टर—जैसे ऑटोमोबाइल, आईटी, टेक्सटाइल आदि—में कितने प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता है, इसका विस्तृत डेटाबेस तैयार किया जाएगा।सेल निवेशकों के एचआर विभागों से सतत संपर्क बनाए रखेगी और प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से प्रशिक्षित लेकिन बेरोजगार युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप रोजगार से जोड़ेगी।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि वर्तमान में मिशन द्वारा लगभग 35 सेक्टरों और 1300 से अधिक जॉब रोल्स में युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 'कौशल कनेक्ट सेल' के सक्रिय होने से प्रशिक्षण और उद्योग की मांग के बीच की खाई समाप्त होगी और युवाओं को अपने ही जिले में बड़े उद्योगों में रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।समन्वय को सुदृढ़ करने के लिए दोनों विभागों की ओर से एकल संपर्क सूत्र (एसपीओसी) नामित किए गए हैं। इन्वेस्ट यूपी की ओर से ओमैर शाहिद टीम लीडर एसपीओसी होंगे, जबकि कौशल विकास मिशन की ओर से इस सेल की अध्यक्षता डॉ. पवित्रा टंडन, सहायक निदेशक करेंगी। मिशन के एसपीओसी के रूप में अतुल कुमार सिंह नामित किए गए हैं तथा उनकी सहायता के लिए धनंजय कुमार द्विवेदी और ज्योति श्रीवास्तव को टीम में शामिल किया गया है। सरकार का मानना है कि यह पहल न केवल 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को एक मजबूत 'स्किल हब' के रूप में स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ने हेतु 'कौशल कॉल सेंटर' का शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों से सीधे जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बुधवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन मुख्यालय में "कौशल कॉल सेंटर" का शुभारंभ किया।शुभारंभ के अवसर पर मंत्री अग्रवाल ने कॉल सेंटर के माध्यम से पूर्व में प्रशिक्षित एक छात्र से फोन पर सीधा संवाद कर उसके अनुभवों की जानकारी ली और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश के हर गांव और शहर के युवाओं तक मिशन की योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और रोजगार अवसरों की सटीक व अद्यतन जानकारी सीधे पहुंचे।मंत्री अग्रवाल ने कहा कि सरकार का संकल्प है।

• संक्षेप •

अखिलेश यादव ने मेरठ के तीन मेधावी छात्रों को भेंट किए लैपटॉप

लखनऊ/मेरठ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज मेरठ जिले के इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त कर रहे तीन मेधावी छात्रों को लैपटॉप भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। यह लैपटॉप सिवाल खास, मेरठ के गौरव चौधरी द्वारा उपलब्ध कराए गए। जिन छात्रों को लैपटॉप प्रदान किए गए, उनमें कुनाल पुत्र अनिल कुमार, बीटेक प्रथम वर्ष, निवासी ग्राम रोहटा; अभिषेक पुत्र यशपाल कुमार, बीटेक प्रथम वर्ष, निवासी ग्राम मीरपुर; तथा मोहम्मद कैफ पुत्र लईक अहमद कुमार, बीसीए प्रथम वर्ष, निवासी कस्बा लावड़ शामिल हैं। तीनों छात्र तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययनरत हैं और अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।इस अवसर पर अखिलेश यादव ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा और तकनीकी संसाधन युवाओं को आगे बढ़ने की शक्ति देते हैं। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।कार्यक्रम के दौरान किसान नेता हरेंद्र ताऊ भी मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनकी सफलता की कामना की।

गोरखपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर अखिलेश यादव का हमला, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गोरखपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यनगरी गोरखपुर में लोगों की आंखों की रोशनी छिन रही है और सरकार गंभीरता दिखाने के बजाय केवल बयानबाजी में लगी हुई है।अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री गोरखपुर का दौरा करते हैं तो क्या वे वहां की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की वास्तविक समीक्षा करते हैं या केवल औपचारिकता निभाकर लौट जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार जनता गोरखपुर में भी जवाब देगी और बताएगी कि 'चिराग तले अंधेरा' किसे कहते हैं।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। उनके अनुसार प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार लोगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग में समन्वय और जवाबदेही का अभाव है, जिसके कारण आमजन को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है।अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और सरकार के दावों तथा जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा कि जनता अब सब देख और समझ रही है तथा आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

गृहकर बकाया पर नगर निगम की सख्ती, दो सरकारी संस्थानों पर बड़ी कार्रवाई

लखनऊ। नगर निगम द्वारा गृहकर बकाया की वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाया गया है। इसी क्रम में नगर निगम की अलग-अलग जोनों में दो बड़ी कार्रवाइयां की गई हैं, जिनमें एक संस्था का बैंक खाता सीज किया गया है, जबकि दूसरी के उपकेंद्र को सील कर दिया गया है।जोन-2 के जोनल अधिकारी श्री संजय यादव ने अम्बेडकर नगर वार्ड स्थित यू0पी0 एग्रो इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लखनऊ का बैंक खाता सीज कराने की कार्रवाई की। निगम के अनुसार संस्था पर 31 मार्च 2020 तक गृहकर मद में 94,04,294 रुपये बकाया हैं।नगर निगम द्वारा समय-समय पर बिल एवं नोटिस ऑफ डिमांड जारी किए गए थे। संबंधित अधिकारियों ने व्यक्तिगत स्तर पर संपर्क कर भुगतान कराने का प्रयास भी किया, किंतु बकाया धनराशि जमा नहीं की गई। इसके बाद उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा 509 से 516 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अपर नगर आयुक्त के आदेशानुसार बैंक खाता कुर्क/सीज करने का आदेश जारी किया गया। निर्देश दिए गए हैं कि जब तक 94,04,294 रुपये नगर निगम निधि लखनऊ के खाते में जमा कर अदेयता प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया जाता, तब तक खाते से कोई धनराशि जारी नहीं की जाएगी।इसी प्रकार जोन-7 में कर अधीक्षक श्री अजीत राय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के देवा रोड, चिनहट स्थित उपकेंद्र को सील कर दिया। निगम अधिकारियों के अनुसार संबंधित उपकेंद्र पर 1,98,85,360 रुपये गृहकर बकाया पाए गए थे। कई बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद भुगतान न होने पर यह कदम उठाया गया।नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बकाया गृहकर की वसूली के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा और कर न जमा करने वाले संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में 10 ईको टूरिज्म स्थलों के संचालन हेतु प्रस्ताव आमंत्रित, 27 फरवरी 2026 अंतिम तिथि

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश में हरित पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने राज्य के 10 प्रमुख ईको टूरिज्म स्थलों के संचालन एवं देखरेख के लिए इच्छुक संस्थाओं, कंपनियों और अनुभवी एजेंसियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। सभी परियोजनाएं पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी मोड) पर विकसित की जाएंगी।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि चयनित एजेंसियों को परियोजनाओं का संचालन प्रारंभिक रूप से 15 वर्षों के लिए सौंपा जाएगा, जिसे संतोषजनक प्रदर्शन की स्थिति में आगे बढ़ाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्राकृतिक स्थलों के पेशेवर प्रबंधन, दीर्घकालिक निवेश और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी, साथ ही स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।जिन स्थलों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं, उनमें अयोध्या की उधेला झील, ललितपुर के बदरौन स्थित करकरावल जलप्रपात, बाराबंकी की बघर झील, बलिया का मैरीटार गांव, सीतापुर की अज्जेपुर झील, महाराजगंज का देवदह स्थल, कुशीनगर की रामपुर सोहरौना झील, चित्रकूट का रामनगर, जालौन का पचनदा तथा बांदा जनपद की नरैनी तहसील में कालिंजर किले के समीप पर्यटन सुविधा केंद्र शामिल हैं।इच्छुक आवेदकों को निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार आवेदन करना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 27 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। सरकार का मानना है कि यह पहल प्रदेश में जिम्मेदार और पर्यावरण-संवेदनशील पर्यटन के सुदृढ़ मॉडल को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर केशव प्रसाद मौर्य ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को लखनऊ स्थित अपने कैम्प कार्यालय, सात-कालिदास मार्ग पर महान समाज सुधारक एवं आध्यात्मिक गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस का जीवन ईश्वरभक्ति, करुणा और मानवता की सेवा का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने अपने आध्यात्मिक चिंतन और साधना के माध्यम से समाज को प्रेम, सहिष्णुता और आत्मबोध का संदेश दिया। उनके उपदेशों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि विश्व पटल पर भी भारतीय आध्यात्मिक परंपरा को प्रतिष्ठित किया।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी जी की शिक्षाएं और जीवन दर्शन आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके जीवनकाल में थे। उन्होंने कहा कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस की विचारधारा समाज को एकता, सद्भाव और नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करती है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें समाज के उत्थान, मानव सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय योगदान देना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी स्वामी जी के आदर्शों को आत्मसात करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

बाल विवाह मुक्त जागरूकता रथ यात्रा को उप मुख्यमंत्री ने किया रवाना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत संवाद सामाजिक संस्थान, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एलायंस (जेआरसी) और पेस संस्था के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह को पूरी तरह से रोकने के लिए एक अनूठी पहल की गयी है। इसके तहत बुधवार को लखनऊ से बाल विवाह मुक्त जागरूकता रथ यात्रा को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने आवास से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के प्रति लोगों में जागरूकता बहुत जरूरी है, यह रथ यात्रा इसमें पूरी तरह कारगर साबित होगी। दिल्ली से आये जेआरसी के राष्ट्रीय कन्वीनर रविकांत ने बताया कि यह 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है। इसमें जेआर सी के 400 सहयोगी संगठनों का सहयोग लिया जा रहा है। वर्ष 2030 तक देश को बाल विवाह मुक्त बनाने, बाल श्रम मुक्त और बाल तस्करी जैसे मुद्दों पर रोकथाम को लेकर यह अनूठी पहल की गयी है। इस मौके पर पेस संस्था की सचिव रजविंदर कौर ने कहा कि उनकी संस्था ने इस 100 दिवसीय अभियान के दौरान जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर सीतापुर, हरदोई और शाहजहांपुर के लगभग 18 ब्लाक के 1000 से अधिक गाँवों तक पहुँच बनायी है। अब तक इस यात्रा के माध्यम से करीब दो लाख लोगों को जागरूक किया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आठ मार्च को इसका समापन किया जाएगा। इसके माध्यम से धार्मिक स्थलों, स्कूल-कॉलेज, सरकारी कार्यालयों, पंचायतों, स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ-साथ शादी में खास तौर पर शामिल होने वाले बैंड वालों, दर्जी, टेंट, सजावट करने वालों, गेस्ट हाउस और कैटरर्स को भी विशेष तौर पर जागरूक किया गया है, ताकि बाल विवाह को रोकने में वह मददगार साबित हो सकें। कार्यक्रम में संवाद संस्था के निदेशक अतुल तिवारी, आलोक, पेस संस्था से देवरथ, अमरेश, सर्वेश, अवनीश, तथा स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि व ग्राम पंचायतों के प्रधान आदि शामिल रहे।

ग्राम पासिन ढकवा में देशी शराब दुकान को लेकर धरना, प्रशासन से वार्ता जारी, क्षेत्र में पुलिस बल तैनात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के ग्राम पासिन ढकवा में स्थित सरकारी देशी शराब दुकान को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन (श्रमिक जनशक्ति) के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता दुकान को तत्काल बंद कराए जाने की मांग को लेकर लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने दुकान के समक्ष एकत्र होकर विरोध जताया और दुकान के संचालन का विरोध करते हुए आवागमन तथा क्रय-विक्रय कार्य में अवरोध उत्पन्न करने का प्रयास भी किया, जिससे क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।धरनारत पदाधिकारियों का कहना है कि आवासीय क्षेत्र के निकट संचालित हो रही इस दुकान से स्थानीय वातावरण प्रभावित हो रहा है, जिसके चलते इसे तत्काल प्रभाव से बंद किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर प्रशासन का कहना है कि दुकान नियमानुसार आवंटित है और इसके स्थानांतरण अथवा निरस्तीकरण की प्रक्रिया निर्धारित नियमों के तहत ही की जा सकती है।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा कई चरणों में वार्ता की गई है। आबकारी विभाग की ओर से इंस्पेक्टर विवेक सिंह, रजनीश प्रताप सिंह, अरविंद बघेल एवं रिचा सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज, सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज तथा प्रभारी निरीक्षक सुशांत गोल्फ सिटी सहित अन्य पुलिस अधिकारी लगातार धरनारत पदाधिकारियों से संवाद कर रहे हैं और उन्हें समझाने का प्रयास कर रहे हैं।आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमानुसार 31 मार्च के उपरांत उक्त दुकान को स्थानांतरित अथवा हटाने की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि निर्धारित अवधि पूर्ण होते ही विधिक प्रक्रिया के अनुरूप आवश्यक निर्णय लिया जाएगा। इसके बावजूद किसान यूनियन (श्रमिक जनशक्ति) के कुछ पदाधिकारी, जिनमें रामसेवक (प्रवक्ता), चंद्रप्रकाश (जिलाध्यक्ष) और सूरज रावत (पूर्व प्रधान, हसनपुर खेवली) शामिल हैं, तत्काल प्रभाव से दुकान बंद कराए जाने की मांग पर अड़े हुए हैं और वार्ता के बाद भी सहमति नहीं बन सकी है।स्थिति की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल की 24 घंटे तैनाती की गई है। प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो और कानून-व्यवस्था बनी रहे। अधिकारियों का कहना है कि संवाद और विधिक प्रक्रिया के माध्यम से मामले का शांतिपूर्ण समाधान निकालने का प्रयास जारी है।

कैण्ट पुलिस ने दो चोरी की घटनाओं का किया खुलासा, शातिर अपराधी गिरफ्तार ; लाखों के जेवरात व आईफोन बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन-मध्य अंतर्गत थाना कैण्ट पुलिस ने क्षेत्र में हुई दो अलग-अलग चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात, एक आईफोन, सिम कार्ड और नगदी बरामद की है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से 13 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस के अनुसार थाना कैण्ट में पंजीकृत मुकदमा संख्या 127/25 व 134/25 की विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की पहचान की गई। दिनांक 17 फरवरी 2026 को शाम करीब 5:30 बजे मुखबिर की सूचना पर नीलमथा जाने वाली सड़क पर बनी पुलिया के पास से हिमांशु थारू उर्फ संजू बाबा को गिरफ्तार किया गया।पुलिस के मुताबिक 22 नवंबर 2025 को कटहरी बाग, नीलमथा निवासी आकांक्षा शुक्ला ने घर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वहीं 22 दिसंबर 2025 को दुर्गापुरी कॉलोनी निवासी शरद पाण्डेय ने घर से जेवरात चोरी होने की सूचना दी थी। दोनों मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।गिरफ्तार आरोपी हिमांशु थारू उर्फ संजू बाबा (उम्र लगभग 21 वर्ष), निवासी पुराना नटखेड़ा, तेलीबाग, थाना पीजीआई, लखनऊ है। उसके कब्जे से दो पतली चैन, एक मोटी चैन, मांग टीका, अंगूठियां, नथुनी, झाला, दो जोड़ी पायल, सफेद धातु के बर्तन, एक आईफोन (एप्पल कंपनी), एयरटेल सिम और दो हजार रुपये नगद बरामद किए गए हैं।

2027 का चुनाव बीएसपी अकेले लड़ेगी, गठबंधन की खबरें फर्जी : मायावती, टाइप-8 बंगले पर भी दी सफाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रह चुकी मायावती ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का 2027 का चुनाव पार्टी अपने बलबूते पर लड़ेगी। उन्होंने पार्टी के संभावित गठबंधन को लेकर चल रही चर्चाओं को पूरी तरह फर्जी, मनगढ़ंत और गुमराह करने वाला बताया।मायावती ने कहा कि इन दिनों देशहित के गंभीर मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय विभिन्न प्रकार की स्वार्थपूर्ण बहसें चलाई जा रही हैं और इसी क्रम में मीडिया के एक वर्ग द्वारा यह प्रचारित किया जा रहा है कि बीएसपी आगामी विधानसभा चुनाव गठबंधन में लड़ेगी। उन्होंने इसे बीएसपी विरोधी हथकंडा बताते हुए कहा कि पार्टी पहले भी कई बार सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर चुकी है कि वह चुनाव अकेले लड़ेगी। विशेष रूप से 9 अक्टूबर 2025 को लखनऊ में आयोजित मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि पर हुई विशाल महारैली में भी इसकी खुली घोषणा की जा चुकी है।उन्होंने कहा कि इसके बावजूद गठबंधन की चर्चा करना केवल लोगों को भ्रमित करने का प्रयास है। उनके अनुसार कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और भाजपा जैसी पार्टियों की नीतियां संकीर्ण हैं और वे बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा के अनुरूप कार्य नहीं करतीं। ऐसे में इन दलों के साथ गठबंधन बीएसपी के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह ही साबित हुआ है। मायावती ने कहा कि 2027 के मिशन को लेकर पार्टी के कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटे हुए हैं और उनका ध्यान भटकाने के लिए ही इस प्रकार की अफवाहें फैलाई जा रही हैं।उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस तरह की अनर्गल और मनगढ़ंत खबरों पर ध्यान न दें तथा 2007 की तरह पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ संगठित होकर कार्य करें।प्रेस विज्ञप्ति में मायावती ने दिल्ली में टाइप-8 के नए बंगले के आवंटन को लेकर भी सफाई दी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए उन्हें पूर्व में भी टाइप-8 का बंगला आवंटित किया गया था। हाल ही में जो नया आवंटन हुआ है, वह भी सुरक्षा मानकों के अनुरूप है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे पहले आवंटित कुछ बंगलों को सुरक्षा कारणों से स्वीकार नहीं किया गया था या बाद में छोड़ दिया गया था। अंततः सुरक्षा के दृष्टिकोण से उपयुक्त टाइप-8 बंगला आवंटित किया गया है, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है।मायावती ने 2 जून 1995 के लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस कांड का उल्लेख करते हुए कहा कि उस घटना के बाद से उन्हें विशेष उच्च सुरक्षा प्रदान की गई थी, जो समय के साथ कम होने के बजाय बढ़ी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत आवास उपलब्ध कराया जाना स्वाभाविक है।

शिक्षा की गिरती गुणवत्ता और मनरेगा प्रदर्शन पर लाठीचार्ज को लेकर आराधना मिश्रा मोना का सरकार पर तीखा हमला

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने शिक्षा की गिरती गुणवत्ता, शिक्षकों की कमी और मनरेगा प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार शिक्षा सुधार के दावों में असफल साबित हुई है और लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन कर रही है।नियम 56 के अंतर्गत लोकमहत्व के विषय पर चर्चा करते हुए आराधना मिश्रा ने कहा कि सरकार डिजिटल लर्निंग, स्मार्ट स्कूल और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रदेश के बच्चों को वास्तव में गुणवत्तापरक शिक्षा मिल रही है और क्या सरकार शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने बजट आवंटन का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षा पर अपने कुल बजट का केवल लगभग 12 प्रतिशत खर्च प्रस्तावित कर रहा है, जबकि दिल्ली और बिहार जैसे राज्य 20 प्रतिशत से अधिक बजट शिक्षा पर आवंटित करते हैं। 25 करोड़ से अधिक आबादी वाले राज्य में यह आवंटन अपर्याप्त है।उन्होंने वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (ASER) 2024 का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 5 के लगभग 50 प्रतिशत बच्चे कक्षा 2 स्तर का हिंदी पाठ पढ़ने में संघर्ष कर रहे हैं। कक्षा 8 के 45 प्रतिशत छात्र भाग नहीं कर पाते और 23 प्रतिशत विद्यार्थी साधारण घटाव नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि 26 प्रतिशत छात्र 11 से 99 तक की संख्याओं की पहचान नहीं कर पा रहे हैं, जो शिक्षा व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दर्शाता है। ऐसे में प्रदेश को विकसित बनाने के दावे खोखले प्रतीत होते हैं।आराधना मिश्रा ने कहा कि 2016 के बाद से जूनियर हाईस्कूल स्तर पर गणित और विज्ञान शिक्षकों की कोई नई सीधी भर्ती नहीं हुई है। 69000 शिक्षक भर्ती में शेष पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष लगभग 4.5 लाख बीएड और डीएलएड अभ्यर्थी उत्तीर्ण होते हैं तथा पिछले सात वर्षों में लगभग 30 हजार शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं, इसके बावजूद नई भर्तियां नहीं की गईं। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक के 46,944 पद रिक्त हैं, जबकि सरकार पर्याप्त शिक्षक होने का दावा करती है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश के 9,508 सरकारी स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है और इन विद्यालयों में छह लाख से अधिक छात्र पढ़ते हैं। एक शिक्षक से शिक्षण के साथ-साथ जनगणना, मतदान और अन्य प्रशासनिक कार्य भी कराए जाते हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है।मनरेगा के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मनरेगा ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों के लिए जीवनरेखा है, लेकिन इसके बचाव में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को रोकने, डराने और गिरफ्तार करने की कार्रवाई की, जो अलोकतांत्रिक है। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।डिजिटल शिक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक लाख 37 हजार से अधिक सरकारी स्कूल, 8 हजार से अधिक सहायता प्राप्त स्कूल और लगभग 1 लाख 40 हजार निजी अनुदान रहित स्कूल हैं।

क्या शबाना महमूद ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनेंगी?

वह सुदर्शना है। सुशिक्षिता है। युवा और अनुभवी हैं। तत्पर और प्रत्युत्पन्नमति हैं। संसद और बाहर वह मुखर है। कलुष के बेदब दौर में उनकी छवि बेदाग और उजली है। इतनी खूबियों से सुसज्ज शबाना महमूद इन दिनों सुर्खियों में हैं। संप्रति वह ब्रिटेन की सेक्रेट्री फार द होम यानि गृहमंत्री है। एप्सटीन फाइल्स के जेरे-बहस दौर में इस आशय की अटकलों का सब्जा दरो-दीवार और मुंडेरों पर उग आया है कि क्या वह ब्रिटेन की प्रधानमंत्री होंगी। फिलहाल उनके और प्रधानमंत्री पद के दरम्यान एक सोपान का फासला है। यदि वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो वह एशियाई मूल की दूसरी और मुस्लिम संप्रदाय की पहली महिला होंगी। गौरतलब है कि भारतीय मूल के ऋषि सूनक इसके पूर्व ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके है, जबकि शबाना पाकिस्तानी मूल की नेत्री है।

लोकतंत्र के जनक ब्रिटेन में इन दिनों कुख्यात एप्सटीन फाइल्स को लेकर बावेला मचा हुआ है। कई राजनेता पद त्याग को बाध्य हुये हैं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यदि दबाव अधिक बढ़ा तो मजबूरन उन्हें इस्तीफा देना पड़ सकता है। इस कयास के मद्देनजर शबाना महमूद के पीएम बनने की संभावना प्रबल है। 45 वर्षीया शबाना सत्तारुढ़ ब्रिटिश लेबर पार्टी की सदस्या और बैरिस्टर हैं। वह पहले पहल सन 2010 में मई के आमचुनाव में बर्मिंघम लेडीवुड से एमपी चुनी गयी थीं। तदंतर वह चुनावों में लगातार विजयी हुई। जीत की हैटट्रिक बना चुकी शबाना ब्रिटिश लेबर पार्टी की अग्रणी नेताओं में शुमार हैं। सन 2024-25 में सेकेट्री फार जस्टिस यानि न्यायमंत्री रहने के बाद गत वर्ष उन्हें गृह जैसा महत्वपूर्ण महकमा सौंपा गया। 17 सितंबर, सन 1980 को बर्मिंघम में जनमी शबाना के परिवार की जड़े पाकअधिकृत काशमीर में मीरपुर में है। माँ जुनेदा और पिता महमूद अहमद की संतान शबाना के दो भाई और एक बहन है। अनमें एक उनका जुड़वा भाई है। सन 1981 से 1986 तक वह परिवार के साथ सऊदी अरब तैफ में रहीं जहां उनके पिता सिविल इंजीनियर थे।

उसके बाद परिवार बर्मिंघम चला आया। पिता जहाँ लेबर गर्टी से जुड़ गये, वहीं मां स्वयं की सुविधा-शॉप का संचालन करने लगीं 11वीं कक्षा में अनुतीर्ण रहने पर वह स्माल हीथ स्कूल और किंग एडवर्ड षष्टम कैंप हिल स्कूल में पढ़ीं। अंततः उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अंतर्गत लिंकन कॉलेज से कानून में उपाधि हासिल की। पूर्व पीएम ऋषि सूनक कॉलेज में उनसे एक दर्जा आगे थे और शबाना जूनियर कॉमन रूम के चुनाव में ऋषि ने उन्हें वोट देने का वायदा किया था।

युवा शबाना बर्मिंघम में पिता के राजनीतिक कार्यों में हाथ तो बंटाती थीं, अलबत्ता उनकी ख्वाहिश थी कि वह बैरिस्टर बने। उनकी यह ख्वाहिश पूरी हुई। सन 2010 में जब निवर्तमान सांसद क्लेयर शार्ट ने बर्मिंघम से चुनाव लड़ने की अनिच्छा व्यक्त की तो शबाना ने दावेदारी की होड़ में याई मॉस्क्र्चटो को पीछे छोड़ दिया। इस द्वन्द ने इलाके में जातिीय धड़ेवाजी को को बढ़ावा दिया, वह फिलिस्तीन समर्थक और इस्रायली उत्पादों के बहिष्कार की हिमायती नेत्री के तौर पर उभरीं। विवाद होने पर उन्होंने सतर्कतापूर्वक अपने पाँव पीछे खींच लिये, लेकिन इसने उनकी छवि जियोनिज्म (यहूदीवाद) विरोध की बना दी। वह इस्लाम में गहरी आस्था के लिये भी जानी गयीं और उन्होंने इसे कभी छुपाया नहीं। शबाना, रोशनआरा अली और यास्मीन कुरैशी की तिकड़ी ने बीते दशक में खासी शोहरत कमाई। लेबर नेता जेरेमी कार्बिन्स से मतभेदो को उन्होंने कभी छिपाया नहीं और साहसपूर्वक दायित्व संभालने की पेशकशों को ठुकरा दिया। बहरहाल, सितंबर 2023 में कीर स्टार्मर ने उन्हें शैडो सेक्रेट्री बनाया। सन 2024 के आम चुनाव में उनका मुकाबला निर्दलीय अखमेद याकूब से हुआ, लेकिन वह विजयी रहीं। जुलाई, 2024 उनके लिये नेमत लेकर आई, जब स्टार्मर ने उन्हें न्याय सचिव और लार्ड चांसलर बनाया। इस ओहदे को संभालने वाली वह तीसरी महिला और पहली मुस्लिम थीं।

शबाना दो टूक कहती हैं कि इस्लाम उनका अपना धर्म है और अन्य इस्लाम धर्मावलंबियों की भांति उनके जीवन में आस्था महत्त्वपूर्ण तत्त्व है। यह तत्व उनके समस्त कार्यों का प्रेरक है। अवैध आव्रजन को लेकर शबाना की भावभंगिमा कठोर है और वह अवैध आव्रजकों और दंगाइयों से कठोरता से निपटने में यकीन रखती हैं। उन्हें ब्रिटिश लेबर पार्टी के अनुदार नीले (ब्लू) धड़े की मेंबर के तौर पर देखा और जाना जाता है। एप्सटीन फाइल्स के नामों के उजागर होने के बाद जिस तरह परिस्थितियां बदल रही है, उनसे यह कयास लगाया जा रहा है कि शबाना कल ब्रिटेन की पहली मुस्लिम महिला प्रधानमंत्री हो सकती है।

टिप्पणी

ताकाइची का वादा

प्रधानमंत्री साने ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है।

लंबे समय बाद जापान में किसी नेता को दो तिहाई बहुमत मिला है। सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को ऐसी कामयाबी चार महीने पहले प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची ने दिलाई। दरअसल, जितनी बड़ी जीत एलडीपी को इस बार मिली, उतना गुजरे 70 वर्षों में कभी नहीं हुआ। जापान में 1955 में नया संविधान लागू होने के बाद से एलडीपी 66 वर्ष सत्ता में रही है। सिर्फ दो बार ऐसे मौके आए, जब वह दो-दो वर्ष के लिए सत्ता से बाहर हुई। मगर पिछले डेढ़ दशक में पार्टी की लोकप्रियता लगातार गिरी थी। आर्थिक गतिरुद्धता, बढ़ती सामाजिक समस्याओं, और धुर दक्षिणपंथ के उदय के कारण हालिया चुनावों में उसे पूर्ण बहुमत से वंचित रहना पड़ा।

इसीलिए रविवार को हुए चुनाव में उसे मिली बड़ी जीत ने दुनिया का ध्यान खींचा है। इससे ये बात पुष्ट हुई है कि उदारवाद और राष्ट्रवाद का उग्र एजेंडा पेश कर जापान के मतदाताओं में उत्साह पैदा करने में ताकाइची सफल रहीं। ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। प्रधानमंत्री बनते ही ताइवान के सवाल पर उग्र बयान देकर चीन से टकराव बढ़ाते हुए उन्होंने देश में राष्ट्रवादी भावनाएं फैलाईं। इसे आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सैन्य खर्च बढ़ाने का वादा किया। साथ ही जापान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनाने के संकेत भी उन्होंने दिए।

उधर आर्थिक मोर्चे पर हर तरह के टैक्स में कटौती का वादा किया। इसमें आय कर से लेकर उपभोग कर तक शामिल हैं। कहा कि यह सब बजट घाटा बढ़ाते हुए किया जाएगा। जहां लोग अर्थव्यवस्था की घटती गई प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, घटती उत्पादकता, गिरते जीवन स्तर, और बढ़ती गैर-बराबरी से वर्षों से परेशान हों, वहां इस तरह के वादों ने जादुई असर किया, तो उसे समझा जा सकता है। वैसे विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि रक्षा क्षेत्र को छोड़ दें, तो बाकी वादों को पूरा करना आसान नहीं होगा। लेकिन ये बाद की बात है। फिलहाल, तो ताकाइची की लहर चली है।

मनोरंजन के नहीं मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिंव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं।

कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंड़ी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के ही बच्चे या युवा आ रहे हो ऐसा है नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क स संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल ऑनलाइन गेम खेल मनोस्थिति को इस कदर प्रीभावित कर देते हैं कि उठते बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरु किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं।

दरअसल देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2002 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है। देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। दरअसल कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरु हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चें ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चैलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि आदि गेमों ने सर्वाधिक प्रभावित किया है।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिंव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। मजे की बात यह है कि 10-12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इन गेमों के चक्कर में अधिक आ रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है कि इसी तरह से यह चलता रहा तो 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी की 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं। दरअसल समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना-देना नहीं होता। हांलांकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है। परिजनों को निरंतर निगरानी रखने, मोबाइल देखने की समय सीमा तय करने, किसी और रचनात्मक कार्य में लगाने, सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय करने और परंपरागत आउट डोर गेम्स के प्रति रुचि पैदा करने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। सरकार को भी मौत की राह में ले जाने वाले गेम फोरमेट पर रोक लगाने के सख्त कदम उठाने ही होंगे।

ब्लॉग

शी-बॉक्स पोर्टलः कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा का डिजिटल कवच

सावित्री ठाकुर

भारत जब 2047 में अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, तब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने महिला-नेतृत्वित विकास को राष्ट्रीय प्रगति का केंद्र बिंदु बनाया है। महिलाओं की समावेशी आर्थिक वृद्धि में निर्णायक भूमिका को स्वीकार करते हुए सरकार ने ऐसा सुरक्षित, सम्मानजनक और संवेदनशील कार्य वातावरण तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया है, जिससे महिलाएं आत्मविश्वास के साथ कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ सकें। इसी दिशा में कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में कार्य करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते एक दशक में महिला सशक्तिकरण को केवल एक नारा नहीं, बल्कि नीति, संरचना और प्रभावी क्रियान्वयन का विषय बनाया है। नारी शक्ति को राष्ट्र की उन्नति का आधार मानते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यापक संस्थागत सुधार किए गए हैं। इसी दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण और व्यावहारिक उदाहरण है महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में प्रारंभ किया गया शी-बॉक्स पोर्टल, जो कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और न्याय तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक सशक्त डिजिटल मंच के रूप में उभरा है।

आज भारत में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3त्न से बढ़कर 2023-24 में 41.7त्न हो गई। सरकारी और निजी क्षेत्रों के साथ-साथ स्टार्टअप्स, सेवा क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य और असंगठित क्षेत्रों में भी महिलाएँ बड़ी संख्या में कार्यरत हैं। ऐसे में यह अनिवार्य हो जाता है कि कार्यस्थल सुरक्षित, सम्मानजनक और भय-मुक्त हों। कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) इसी उद्देश्य से बनाया गया था। मोदी सरकार ने कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डिजिटल गवर्नेंस के तहत शी-बॉक्स पोर्टल को 29 अगस्त 2024 को तकनीकी सुधारों के साथ पुनः लॉन्च किया, जिससे यह अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल और पारदर्शी बन सके।

यह पोर्टल देशभर में गठित आंतरिक समितियों और स्थानीय समितियों से संबंधित सूचनाओं का एक केंद्रीकृत भंडार प्रदान करता है।

शी-बॉक्स पोर्टल का उन्नत संस्करण महिलाओं को सीधे संबंधित आईसी या एलसी के पास शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है। इससे शिकायत प्रक्रिया में होने वाली देरी और अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप में कमी आती है। शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक भी कर सकती हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह मंच सरकारी या निजी, संगठित या असंगठित - हर क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के लिए समान रूप से सुलभ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मोदी सरकार की महिला सुरक्षा की नीति किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि समावेशी है।

प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न के अनुरूप, शी-बॉक्स महिलाओं को सुरक्षित, सरल और गोपनीय तरीके से शिकायत दर्ज करने और उसकी प्रगति ट्रैक करने की सुविधा देता है। पोर्टल पर दर्ज की गई शिकायत सीधे संबंधित कार्यस्थल की आंतरिक समिति या जिले की स्थानीय समिति तक पहुँचती है। गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था की गई है कि आंतरिक समिति की अध्यक्ष के अलावा कोई अन्य व्यक्ति शिकायत का विवरण नहीं देख सकता, जिससे पीड़िता की पहचान सुरक्षित रहती है।

पॉश अधिनियम के तहत सरकार का दायित्व है कि वह शिकायतों से संबंधित आंकड़ों का संधारण और निगरानी करे। इस अधिनियम के अंतर्गत किसी भी शिकायत की जाँच के लिए 90 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है, जिसका पालन सुनिश्चित करने में शी-बॉक्स पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समयबद्ध निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय द्वारा डैशबोर्ड अलर्ट, ईमेल और मेसेज के माध्यम से नियमित रिमाइंडर भेजे जा रहे हैं। यह सक्रिय प्रणाली मोदी सरकार की उत्तरदायित्व और परिणाम आधारित शासन की सोच को दर्शाती है।

शी-बॉक्स की प्रभावशीलता में नोडल अधिकारियों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक कार्यस्थल पर नियुक्त नोडल अधिकारी, नियोक्ता, आंतरिक/स्थानीय समिति और शिकायतकर्ता के बीच समन्वय स्थापित करते हैं। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि शिकायतें केवल दर्ज न हों, बल्कि उन पर समय पर और नियमानुसार कार्रवाई भी हो।

महिला-केंद्रित नीतियों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो आज देश में 10 करोड़ से अधिक महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, और लखपति दीदी जैसी पहल के माध्यम से लाखों महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। वहीं नमो ड्रोन दीदी जैसी अभिनव योजनाएँ महिलाओं को आधुनिक तकनीक, कृषि सेवाओं और उद्यमिता से जोड़ते हुए उन्हें नए और औपचारिक कार्यक्षेत्रों में प्रवेश का अवसर दे रही हैं। ऐसे में जब बड़ी संख्या में महिलाएँ पहली बार संगठित और औपचारिक कार्यस्थलों का हिस्सा बन रही हैं, शी-बॉक्स जैसे प्लेटफॉर्म उन्हें यह भरोसा देते हैं कि सरकार उनके साथ खड़ी है - न केवल कानून बनाकर, बल्कि उसे ज़मीन पर प्रभावी और जवाबदेह ढंग से लागू करके।

बहुभाषी समर्थन, रीयल-टाइम ट्रैकिंग और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से शी-बॉक्स पोर्टल कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को केवल एक कानूनी प्रावधान तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे एक व्यवस्थित, भरोसेमंद और जवाबदेह संस्थागत ढांचे में परिवर्तित करता है।

शी-बॉक्स वास्तव में एक दूरदर्शी विज़न का सशक्त प्रतिबिंब है, जहाँ नारी शक्ति को भय से मुक्त कर, सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्यस्थलों में आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है, ताकि महिलाएँ अपनी पूरी क्षमता के साथ विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

(लेखक महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार, हैं)

किसान दिवस पर उठाया समस्या दिया ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉण दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में किसानों को विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रदेश सचिव राजनाथ यादव ने किसानोंए मजदूरों और ग्रामीणों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और सरकार को एक ज्ञापन सौंपा। श्रीयादव ने जायद फसल के लिए उड़दए मूंग और मक्का किसानों को उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने बिजली विभाग द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटरों से आ रहे गलत बिलों में सुधार करने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्तए आवारा पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान पर तत्काल रोक लगाने और उनके उचित प्रबंधन की भी मांग की गई। अन्य मांगों में बदलापुर स्थित धान क्रय केंद्र पर धान खरीद में कथित धांधली की जांच शामिल थी। उन्होंने पशुओं के टीकाकरण के लिए पूरे ब्लॉक में गाँव.गाँव अभियान चलाने और ग्राम सभा नेमनी में एक स्थायी केंद्र स्थापित करने की बात भी कही। मुंगरा बादशाहपुर की सहकारी समिति को स्थायी रूप से संचालित करने और जौनपुर की प्रथम कॉलोनी में गेट संबंधी समस्या के समाधान की मांग भी रखी गई। राजनाथ यादव ने नरना स्थित बंद पड़े विद्युत पावर हाउस केंद्र को तत्काल चालू करने की भी मांग की। इस कार्यक्रम में राजनाथ यादव के साथ रमेशए अमित पटेलए राजकुमार पटेलए असमतीए मीनाए प्रमिलाए रामचरन बिन्द और बिनादे मोदी सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

विधानसभा में ऊर्जा मंत्री पर बरसीं विधायक

जौनपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा में आज बुधवार को मछली शहर की सपा विधायक डॉक्टर रागिनी सोनकर ने ऊर्जा मंत्री से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले अंत्योदय कार्डधारकोंए विधवा महिलाओंए वृद्धजनों और दिव्यांग जनों को बिजली बिल में राहत प्रदान करने पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने सदन में मंत्री के दोहरे चरित्र पर तंज कसते हुए कहा कि सदन में तो आम बबूल की बातें और पुरानी सरकारों पर आरोप लगाते आंखें बबूल हो जाती हैंए लेकिन क्षेत्र में जाकर प्रभु श्रीराम और सीता मैया की कहानी सुना कर अधिकारियों को डराते हैं। विधायक ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में लगभग 40 लाख अंत्योदय कार्डधारक गरीबी रेखा से बहुत नीचे हैंए जिनके लिए कोई विशेष बिजली स्कीम नहीं लाई गई। 300 यूनिट बिजली का सालाना बिल 20ए800 रुपये आता हैए जबकि विधवाओं को मात्र 1ए000 रुपये पेंशन दी जा रही है लेकिन 1ए740 रुपये बिजली बिल वसूला जाता है।

मां बनी सीमा हैदर, छठे बच्चे को दिया जन्म ; सचिन मीणा के घर गूंजी बेटे की किलकारी

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में रहने वाली सीमा हैदर एक बार फिर चर्चाओं में हैं। मंगलवार को उन्होंने ग्रेटर नोएडा के एक निजी हॉस्पिटल में बेटे को जन्म दिया। डिलीवरी के बाद जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद परिवार में खुशी का माहौल है। घर-घर मिठाइयां बांटी गईं। जानकारी के मुताबिक, सीमा हैदर ने मंगलवार को अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया। इससे पहले 18 मार्च 2025 को उन्होंने बेटी को जन्म दिया था। करीब 11 महीने बाद अब बेटे का जन्म हुआ। अभी तक सीमा हैदर के पांच बच्चे थे। बेटे के जन्म के बाद अब छह बच्चे हो गए हैं। इनमें से चार बच्चे गुलाम हैदर के हैं, जबकि दो बच्चे एक बेटी और एक बेटा सचिन मीणा के हैं।

सीमा हैदर पहले से चार बच्चों की मां थी। जब वह पाकिस्तान से भारत आई थी तो अपने चार बच्चों को साथ में लाई थी। बाद में ग्रेटर नोएडा निवासी सचिन मीणा के साथ रहने लगी। दोनों की मुलाकात ऑनलाइन गेम के जरिए हुई थी, जिसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और मामला चर्चाओं में आ गया। कुछ वर्ष पहले नेपाल के रास्ते सीमा हैदर भारत आई थी, जिसके बाद यह मामला लंबे समय तक सुर्खियों में बना रहा। सीमा हैदर के भारत आने के बाद जांच एजेंसियों ने पूछताछ की थी और कानूनी प्रक्रियाएं भी चली थीं। बाद में उन्हें जमानत मिल गई। इसके बाद से वह सचिन मीणा के साथ सामान्य पारिवारिक जीवन जी रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह दोनों काफी सक्रिय रहते हैं। दोनों यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हैं।

परिवार में खुशी का माहौल

बताया जाता है कि उनके यूट्यूब चैनल पर लाखों सब्सक्राइबर हैं, जबकि इंस्टाग्राम पर भी बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। हाल के वर्षों में वह नियमित रूप से पारिवारिक और दैनिक जीवन से जुड़े वीडियो पोस्ट करते रहते हैं। अभी हाल ही में दोनों ने अपना नया मकान भी बनाया था, जिसको लेकर वह लगातार चर्चाओं में बने रहे। फिलहाल परिवार ने नवजात के स्वास्थ्य को लेकर संतोष जताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मां और बच्चे दोनों साथ हैं और घर में जश्न का माहौल है।

माता-पिता थे नहीं, 11 महीने पहले सहेली ने भी छोड़ा... ग्रेटर नोएडा में ब्यूटीशियन ने फांसी लगाकर जान दे दी

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत शाहबेरी में रहने वाली एक 31 वर्षीय युवती ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान पूजा के रूप में हुई, जो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के दक्षिणी दिनाजपुर जिले के नया बाजार की रहने वाली थी। बताया जा रहा कि युवती वैलेंटाइन डे के दिन से ही अपने कमरे से बाहर नहीं निकली थी।

मंगलवार दोपहर करीब 12:00 बजे पुलिस को सूचना मिली कि शाहबेरी में एक कमरे से तेज बदबू आ रही है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो युवती का शव पंखे से लटका हुआ था। उसका शरीर पूरी तरह से सड़ चुका था। शरीर में कीड़े भी पड़ चुके थे। पुलिस ने शव को पंखे से नीचे उतारा और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

बिसरख कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मृतका की पहचान पूजा के रूप में हुई। पूजा पास में ही एक ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। वह शाहबेरी में किराए के कमरे में अकेली रह रही थी। पड़ोसी ने बताया कि करीब 11 महीने पहले तक उसकी सहेली उसके साथ रहती थी, लेकिन कुछ समय से वह अकेली रह रही थी।

पड़ोसियों ने बताया कि युवती 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे के बाद से दिखाई नहीं दी। ऐसे में आशंका जताई जा रही कि उसने 14 फरवरी की रात को ही आत्महत्या की होगी। कई दिनों तक दरवाजा बंद रहने और किसी की आवाजाही न होने पर किसी को शक नहीं हुआ। दुर्गंध आने पर मामला सामने आया।

बचपन में हो चुकी थी माता-पिता की मौत

बिसरख कोतवाली प्रभारी ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि पूजा के माता-पिता का निधन बचपन में ही हो गया था। वह अपने दम पर नौकरी कर जीवन-यापन कर रही थी। घटना की सूचना नोएडा में रहने वाली उसकी मौसी को दी गई। उनको बुलाकर आगे की कार्रवाई की जा रही। मौके से किसी भी तरह का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया। बिसरख कोतवाली प्रभारी ने बताया कि युवती पूजा के मोबाइल को कब्जे में ले लिया गया है। जांच में पता चल पाएगा कि आखिरी बार उसकी बात किससे हुई थी।

विवाद के बाद घात लगाकर किशोर को चाकू घोपा

जौनपुर। मछली शहर कोतवाली क्षेत्र के थलोई गांव में जमीनीविवाद को लेकर पड़ोसी ने किशोर को चाकू मार कर घायल कर दिया। चाकू लगने से घायल की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया गया है कि उक्त गांव निवासी हरिकेश तिवारी से पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति से जमीन का कुछ विवाद चल रहा था। उसी रंजिश को लेकर मंगलवार की शाम बजे हरिकेश तिवारी का पुत्र श्याम कुमार तिवारी उम्र लगभग 17 वर्ष अपने साथी ऋषभ कुमार यादव के साथ जा रहा था।घात लगाकर बैठे हमलावरों ने नाबालिक को पड़कर उसके ऊपर चाकुओं से वार करना शुरू कर दिया। एक चाकू के गले में लगा जो आर पार हो गया और दूसरा चाकू उसके सीने में घुसेड दिया। चाकू लगते ही श्याम तिवारी जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। यहां नजारा देख कर उसका साथ रहा लड़का वहां से फरार हो गया। घायल की चीख पुकार सुनकर परिवार के लोग दौड़े लेकिन हमलावर घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए।

गौर चौक तक ही मेट्रो ? पहले फेज में बनेंगे सिर्फ 4 स्टेशन... ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लोग फिर मायूस

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (NMRC) ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर के लिए एक संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करने का निर्णय लिया है। नए प्लान के मुताबिक, पहले चरण (Phase-1) में अब सभी 11 स्टेशनों के बजाय केवल 4 स्टेशन ही बनाए जाएंगे। संशोधित योजना के तहत, एक्वा लाइन (Noida Metro Aqua Line) के इस नए विस्तार में पहले फेज में नोएडा सेक्टर 61 (यहां ब्लू लाइन के साथ इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी), सेक्टर-70, सेक्टर-123 और ग्रेटर नोएडा सेक्टर 4 (गौर चौक) को जोड़ा जाएगा।

शुरुआती योजना में नोएडा के सेक्टर-61 से नॉलेज पार्क-V तक 18 किमी लंबा ट्रैक प्रस्तावित था। हालांकि, गाजियाबाद-जेवर रैपिड रेल (RRTS) कॉरिडोर के प्रस्ताव के कारण केंद्र सरकार ने पुराने प्लान पर रोक लगा दी थी। 72 किमी लंबे रैपिड रेल कॉरिडोर और मेट्रो रूट के बीच डुप्लीकेशन (एक ही रूट पर दो प्रोजेक्ट) को रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया को NMRC के महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट) प्रदीप यादव ने बताया- गौर चौक से आगे का हिस्सा NMRC बनाएगी या RRTS, इस पर फैसला काम मंजूर होने के बाद लिया जाएगा। फिलहाल, फोकस सेक्टर 61 से गौर चौक तक कनेक्टिविटी देने पर है।

5 लाख निवासियों का फूटा गुस्सा

मेट्रो प्रोजेक्ट में लगातार हो रही देरी और बार-बार बदलती डीपीआर से स्थानीय निवासियों में भारी नाराजगी है। NEFOWA के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने कहा- ग्रेटर नोएडा वेस्ट में 5 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। जब पुरानी डीपीआर को राज्य सरकार मंजूरी दे चुकी थी, तो नई डीपीआर की क्या जरूरत है? निवासियों ने चेतावनी दी है कि वे 15 मार्च को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे और पीएमओ (PMO) को ज्ञापन सौंपेंगे। निवासियों का कहना है कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट न होने के कारण उन्हें महंगे कैब और ऑटो पर निर्भर रहना पड़ता है, जबकि अन्य इलाकों में मेट्रो प्रोजेक्ट्स को प्राथमिकता दी जा रही है।

रैपिड रेल से मिलेगी एयरपोर्ट की सीधी कनेक्टिविटी

अधिकारियों का कहना है कि गाजियाबाद से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के बीच चलने वाली रैपिड रेल का स्टेशन भी गौर चौक (ग्रेटर नोएडा सेक्टर 4) पर होगा। इससे निवासियों को नॉलेज पार्क-V, सूरजपुर, परी चौक और सीधे जेवर एयरपोर्ट तक की तेज कनेक्टिविटी मिल जाएगी।

कौशांबी में एन एच-2 पर पलटा तेल टैंकर, लगी भीषण आग, 10KM तक जाम में फंसी गाड़ियां

आर्यावर्त संवाददाता

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में नेशनल हाइवे-2 पर तेज रफ्तार से जा रहा तेल का टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दौरान पास से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन के खंभे से टकरा गया। तेल के टैंकर के पलटते ही टैंकर में भीषण आग लग गई। हाईवे पर तेल टैंकर को आग का गोला बनते देख ट्रक चालकों में हड़कंप मच गया। इस दौरान हाईवे पर गाड़ियां जहां थीं, वहीं रोक दी गईं। इससे करीब 10 किमी लंबा जाम लग गया।

ड्राइवर-क्लीनर ने कूदकर बचाई जान

बताया जा रहा कि तेल टैंकर के पलटते ही आग लगने पर ट्रक चालक और क्लीनर ने किसी तरह से कूदकर अपनी जान बचाई। ट्रक में लगी भीषण आग काफी देर तक धधकती रही। सूचना पर स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू। बताया जा रहा है कि टैंकर में मोबिल ऑयल था, जिसे लेकर ट्रक दिल्ली से कोलकाता जा रहा था।

ट्रक में आग लगने की घटना सैनी कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे-2 पर लोहदा मोड पर हुई, जहां एक तेल का टैंकर मोबिल ऑयल लेकर दिल्ली से कोलकाता जा रहा था। जैसे ही तेल टैंकर लोहदा मोड के पास पहुंचा, अनियंत्रित होकर पलट गया। तेल टैंकर पास से ही गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और टैंकर में भीषण आग लग गई।

10 किमी तक जाम में फंसी गाड़ियां

सूचना पर सैनी कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर नियंत्रण का प्रयास किया, लेकिन घंटों बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस हादसे में कोई भी जनहानि नहीं हुई, लेकिन नेशनल हाईवे-2 पर दोनों तरफ से लंबा जाम लग गया। करीब 10 किमी तक गाड़ियां जाम में फंसी रहीं। आग की लपट को देखते हुए जहां-तहां वाहनों को रोक दिया गया, जिससे कोई बड़ा हादसा न होने पाए। आग पर काबू पाने के बाद वाहनों को छोड़ा गया। घटनास्थल पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए थे। उन्होंने फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया।

सीओ सिराथू ने दी जानकारी

सीओ सिराथू संतोष सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पुलिस बल को भेजा गया था। फायर कर्मी भी मौके पर गए थे। आग पर काबू पा लिया गया है। कोई जनहानि नही हुई है। आग लगी देख वाहनों को नेशनल हाईवे पर रोक दिया गया था। आग बुझने के बाद वाहनों का आवागमन शुरू हो चुका है।

नकलविहीन परीक्षा के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने उत्तर प्रदेश यूपी बोर्ड परीक्षा को निष्पक्षए पारदर्शी और नकल विहीन संपादित कराये जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित ई.डिसट्रिक्ट सेल का औचक निरीक्षण किया गया। ई.डिस्टिक सेल प्रभारीए दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला को निर्देशित किया गया कि सभी परीक्षा केंद्रों की ऑनलाइन सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध है जिसके सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं। जिला प्रशासन विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए संकल्पित है। उन्होंने बताया कि जनपद में कुल 206 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जा रही है।

कानपुर में पति पर पत्नी बेचने का आरोप, बोला-इनसे संबंध बनाओ, नहीं तो जला दूंगा, पीड़िता ने पुलिस को बताई आपबीती

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के कैंट थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पति पर अपनी पत्नी को महज 2 लाख रुपये कैश और एक बाइक की मांग पूरी न होने पर बेचने का आरोप लगा है। पीड़िता का कहना है कि पति ने उसे इन लोगों के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया और विरोध करने पर केरोसिन डालकर जिंदा जलाने की धमकी दी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता मूल रूप से कल्याणपुर क्षेत्र की रहने वाली है। उसने पुलिस को बताया कि उसकी शादी कैंट थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति से हुई थी। शादी के शुरुआती कुछ महीनों तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन उसके बाद पति का व्यवहार बदल गया। वह अक्सर छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करने लगा और मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगा।

केरोसिन डालकर जिंदा जलाने की दी धमकी

महिला के अनुसार सितंबर 2025 में पति ने अचानक उससे 2 लाख रुपये नकद और एक पल्सर मोटरसाइकिल की मांग की। पीड़िता ने असमर्थता जताई तो पति का उत्पीड़न और बढ़ गया। वह बार-बार उसे केरोसिन डालकर जिंदा जलाने की धमकी देने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि पति ने स्थिति को और भयावह बना दिया। वह घर में अज्ञात व्यक्तियों को बुलाने लगा और उन्हें शराब पिलाकर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालता था। पीड़िता ने इसका लगातार विरोध किया।

पीड़िता के मुताबिक, 27 सितंबर 2025 की रात आरोपी पति चार अज्ञात व्यक्तियों को घर लेकर आया। उसने कथित तौर पर पत्नी से कहा कि उसने उसे इन लोगों के हाथों बेच दिया है और अब उसे उनके साथ संबंध बनाने होंगे। महिला के विरोध करने पर पति ने उसे पूरे दिन एक कमरे में बंद कर दिया। उसे भूखा-प्यासा रखा गया और बाहर से धमकियां दी जाती रहीं कि रात में उसे जिंदा जला दिया जाएगा। इस दौरान आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की।

पीड़िता ने पुलिस से मांगी मदद

किसी तरह अवसर मिलते ही पीड़िता ने अपने मायके वालों को सूचना दी। उसका भाई तुरंत मौके पर पहुंचा, लेकिन आरोपी पति ने उसे धक्का देकर घर से बाहर निकाल दिया। स्थिति बिगड़ती देख पीड़िता ने 112 आपातकालीन सेवा पर कॉल कर मदद मांगी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित बाहर निकाला।

पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर कैंट थाने में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी आरोपों की पुष्टि के बाद आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी संकेत दिया कि मामले में मानव तस्करी, दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा जैसी गंभीर धाराएं जुड़ सकती हैं।

मुंगराबादशाहपुर के दरोगा पर जमीन हथियाने का आरोप

जौनपुर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर से स्पष्टीकरण के साथ दो हफ्ते में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने या कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने एसपी जौनपुर से पूछा है कि प्रश्नगत प्लाट जिसकी 3 फरवरी 18 को याची के पक्ष में बैनामा हुआ हैए उस पर किसका कब्जा है।क्या मुंगराबादशाहपुर थाना के पुलिस उपनिरीक्षक वीरेंद्र यादव का निर्माण ढहाकर किसी दूसरे को कब्जा सौंपने में कोई भूमिका रही है और क्या याचिका में जिस निर्माण का फोटो दाखिल किया गया है वह याची की जमीन पर या बगल की जमीन पर है।याची ने पुलिस उपनिरीक्षक पर आरोप लगाया है कि उसने याची का निर्माण ढहाकर विपक्षियों का निर्माण करा रहा है। शिकायत के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। पुलिस के खिलाफ गंभीर आरोप को देखते हुए सत्यापन के लिए कोर्ट ने एसपी जौनपुर से सफाई हलफनामा मांगा है।

'चलो तुमको सीट दिलवाता हूं...', ट्रेन में बिना टिकट चढ़ गई छात्रा, मजबूरी बताई तो मदद के बहाने टी .टी .ई करने लगा अश्लील हरकत

आर्यावर्त संवाददाता

मऊ। रेलवे जैसे सुरक्षित सफर के दावे पर एक बार फिर दाग लगा है। मऊ से परीक्षा देकर गोरखपुर लौट रही एक छात्रा ने अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस के एक टीटीई (TTE) पर छेड़छाड़ और डराने-धमकाने का बेहद गंभीर आरोप लगाया है। छात्रा की शिकायत पर गोरखपुर जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी टीटीई की तलाश शुरू कर दी है।

पीड़िता मऊ जिले की रहने वाली है और गोरखपुर में रहकर पढ़ाई करती है। वह मऊ में एक परीक्षा देने गई थी और वहां से वापस लौट रही थी। स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ होने के कारण छात्रा टिकट नहीं ले पाई थी। ट्रेन में चढ़ने के बाद उसकी मुलाकात टीटीई राहुल कुमार से हुई। छात्रा ने अपनी मजबूरी बताई और सीट के लिए आग्रह किया।

आरोप है कि राहुल कुमार ने पहले छात्रा का नाम, पता और परीक्षा के बारे में जानकारी ली और फिर उसे सीट दिलाने का भरोसा दिया। बोला- डरो मत। चलो मैं तुमको सीट दिलवाता हूं। मदद के बहाने टीटीई उसे एसी फर्स्ट क्लास (AC First Class) के केबिन में ले गया। छात्रा का आरोप है कि वहां पहुंचते ही टीटीई ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी।

वर्दी का रौब दिखाकर धमकाया

जब छात्रा ने विरोध किया, तो आरोपी टीटीई अपनी वर्दी की हनक दिखाने लगा। उसने छात्रा को धमकाया कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया, तो वह उस पर बिना टिकट यात्रा करने का केस दर्ज करा देगा और उसे जेल भेज देगा। लेकिन छात्रा डरी नहीं। उसने साहस दिखाते हुए तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी।

आरोपी की तलाश की जा रही

ट्रेन के गोरखपुर पहुंचते ही पीड़िता ने जीआरपी (GRP) थाने में आपबीती सुनाई। जीआरपी सीओ के मुताबिक, आरोपी टीटीई राहुल कुमार बिहार का रहने वाला है। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। इस घटना ने एक बार फिर ट्रेनों में महिला सुरक्षा और स्टाफ के व्यवहार पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

सस्ती लिपस्टिक से काजल तक, बचत के चक्कर में ऐसे होता है नुकसान

चेहरे पर हमेशा अच्छे और ब्रांडेड प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि ये हमारे शरीर का एक बेहद नाजुक हिस्सा होता है। लेकिन कई महिलाएं सस्ते के चक्कर में खराब प्रोडक्टस ले लेती है और अपना ही नुकसान कर बैठती है। चलिए जानते हैं बजत के चक्कर में होने वाले नुकसान।

चेहरा हमारे शरीर का एक ऐसा हिस्सा है, जो काफी नाजुक होता है। फिर चाहे होंठ हो या आंखें। लड़कियां अपने चेहरे को और खूबसूरत दिखाने के लिए मेकअप का इस्तेमाल करती हैं, जो फेल के फीचर्स को इंहैंस करने का काम करता है। जैसे कालज और लाईनर लगाने से आंखें खूबसूरत हो जाती हैं। वहीं, होंठों को प्लम और शेप में दिखाने के लिए लिपस्टिक लगाई जाती है। ऐसे ही चेहरे के दाग -धब्बे छुपाने के लिए फाउंडेशन और कंसीलर का इस्तेमाल किया जाता है। चेहरे के लिए हमेशा ही ब्रांडेड और अच्छे प्रोडक्ट ही खरीदने चाहिए।

लेकिन आज कल कई महिलाएं ऐसी हैं, जो बजत करने के चक्कर में मेकअप प्रोडक्ट्स से लेकर स्किनकेयर प्रोडक्ट्स को सस्ते दामों पर खरीद लेती हैं।नतीजा ये रहता है कि, चेहरे पर पिंपल, जलन और खुजली जैसी कई समस्याएं होने लगती है। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि की सस्ते के चक्कर में महिलाएं क्या-क्या नुकसान कर बैठती हैं।

होंठों की सेहत को नुकसान

होंठ बहुत नाजुक होते हैं। इनकी देखभाल से लेकर इनकी शेप बनाने के लिए जो भी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए जाते हैं वो अच्छी क्वालिटी के ही होने चाहिए। लेकिन कुछ महिलाएं सस्ते के चक्कर में खराब क्वालिटी की लिपस्टिक, लिप बाम जैसी चीजें खरीद लेती हैं। दरअसल, ये होंठों के लिए इसलिए अच्छी नहीं मानी जाती है, क्योंकि इनमें लेड, पैराबेन, सिंथेटिक कलर और क्रोमियम जैसे धातु मिलाए जाते हैं। जो होंठों को काला करने के साथ ही एलर्जी भी पैदा कर सकते हैं।

आंखों पर सीधा असर

आंखों को बड़ा और खूबसूरत दिखाने के लिए काजल और लाईनर दो बहुत जरूरी प्रोडक्ट हैं। लेकिन अगर आप सस्ता या केमिकल वाला काजल-आईलाइनर का यूज करती हैं तो ये आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इनमें कार्बन ब्लैक, फॉर्मलाडेहाइड, और पैराबेन्स जैसे हानिकारक तत्व होते हैं, जो आंखों में जलन , इंफेक्शन, नजर कमजोर होना और पानी आने जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

स्किन एलर्जी और रैशेज

चेहरे के दाग-धब्बे को छुपाने और इवेन बनाने के लिए फाउंडेशन, कॉम्पैक्ट, कंसीलर जैसे प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन अगर ये बेकार क्वालिटी के हों तो सेंसिटिव स्किन वालों के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकते हैं। दरअसल, लोकल और बेकार क्वालिटी के प्रोडक्ट्स से स्किन पर खुजली, एलर्जी, लाल दाने, मुंहासे और स्किन पिगमेंटेशन तक हो सकती है।

एक्सपायरी और नकली प्रोडक्ट

कई बार मार्केट में एक्सपायरी और नकली चीजों को सस्ते दामों पर बेचा जाता है। ऐसे में महिलाएं अक्सर बिना एक्सपायरी डेट देखे प्रोडक्ट्स खरीद लेती हैं। इससे पैसे तो बच जाते हैं, लेकिन स्किन और बालों को नुकसान हो सकता है। ऐसे में जब भी स्किन केयर या हेयरकेयर का कोई प्रोडक्ट खरीदें तो एक्सपायरी डेट चेक करें और महंगे न सही बल्कि टेस्टिड ब्रांड से ही प्रोडक्ट खरीदें।

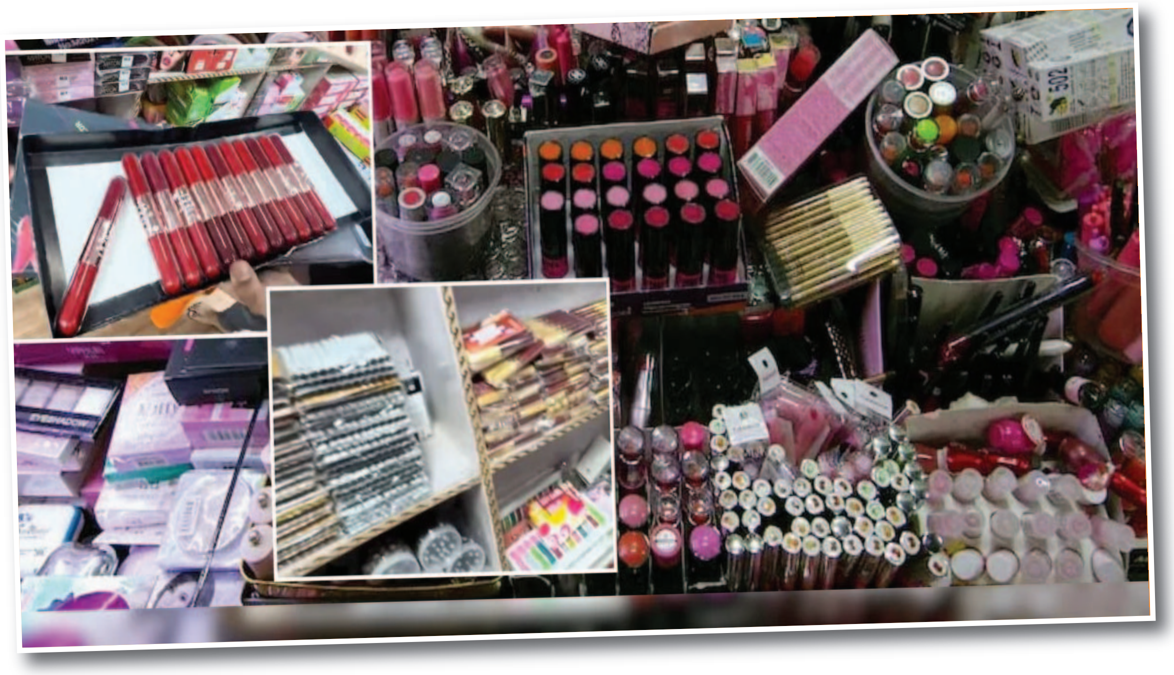

कपड़ों से फुटवियर तक... फेस्टिव सीजन में तैयार होते वक्त रखें इन बातों का ध्यान

धनतेरस से लेकर भाई दूज तक, पूरे 5 दिन जबरदस्त रौनक रहती है, क्योंकि एक के बाद एक फेस्टिवल होते हैं। इस दौरान हर कोई चाहता है कि फेस्टिव वाइब वाला लुक मिले। खासतौर पर महिलाएं हर मौके पर अपने स्टाइल को एकदम परफेक्ट रखना चाहती हैं।हर दिन के लिए एथनिक आउटफिट तो चुन लिए जाते हैं, लेकिन कई बार छोटी-छोटी बातों को ध्यान में न रखा जाए तो पूरा लुक खराब हो सकता है और इससे फेस्टिवल का मजा किरकिरा हो जाता है। त्योहार ऐसा मौका होते हैं जब सभी इकट्ठा सेलिब्रेट करते हैं और बहुत सारे मेमोरी क्रिएट करते हैं। आज के टाइम में डिजिटल और सोशल मीडिया का जमाना है इसलिए लुक फोटोजेनिक तो होना ही चाहिए। इस स्टोरी में देखें कि आपको फेस्टिव लुक क्रिएट करते वक्त किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

त्योहारी सीजन में तैयार होना हो तो यह ध्यान रखना होता है कि आपके स्टाइल में फैशन के साथ ट्रेडिशन का एक अच्छा ब्लेंड रहे। इसके साथ ही लुक भी ऐसा हो जा स्टाइलिश दिखने के साथ ही आरामदायक भी हो ताकि आप अच्छे से एंजॉय कर पाएं, क्योंकि त्योहार के टाइम घर में काफी काम भी होता है। तो चलिए देख लेते हैं दिवाली फेस्टिव सीजन में तैयार होते वक्त आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

बहुत ज्यादा हैवी कपड़े न पहनें

फेस्टिवल पर रिच लुक पाने के लिए महिलाएं ये गलती करती हैं कि बहुत ज्यादा हैवी कपड़े पहन लेती हैं, लेकिन ऐसा करने से बचें। इससे आपको काफी परेशानी हो सकती है। अटायर ऐसा चुनें जिसे पहनकर आप आराम से घूम-फिर सकें। बहुत हैवी कपड़े आपको फ्लॉलेस लुक नहीं देते हैं बल्कि आपका स्टाइल वेडिंग परफेक्ट लगने लगता है।

लुक को फ्लॉलेस रखना बेहतर

कपड़ों के कलर पर भी ध्यान देना चाहिए। ऐसे कलर्स चुनें जो ब्राइट हो, लेकिन उनका रंग बहुत ज्यादा वाइब्रेंट चटख नहीं होना चाहिए, साथ ही दिन का फेस्टिवल है तो ध्यान रखें कि ग्लिटर अटायर बिल्कुल भी न चुनें। इससे आपका लुक फ्लॉलेस रहेगा।

हैवी ज्वेलरी न पहनें

अपने लुक को परफेक्ट बनाने के लिए एसेसरीज कैरी करना जरूरी होता है, लेकिन त्योहार के हिसाब से आपको बहुत हैवी ज्वेलरी नहीं पहननी चाहिए। अगर आप हैवी ईयररिंग्स पहन रही हैं तो नेकपीस न पहनें। इसी तरह से हैवी नेकपीस है तो ईयररिंग्स न पहनें या फिर बहुत लाइट वेट ज्वेलरी कैरी करें।

मेकअप न हो ओवर

फेस्टिवल पर हमेशा ऐसा मेकअप करना चाहिए, जो बहुत ज्यादा ग्लैम लुक न दे। आप अटायर के मुताबिक, न्यूट्रल, ग्लोइंग स्किन, नेचुरल मेकअप लुक, मोनोक्रोमेटिक मेकअप कर सकती हैं। डे फेस्टिवल है तो हाइलाइटर और ब्लश का कम इस्तेमाल करना चाहिए। बेस कम लगाएं वर्ना मेकअप बहुत ज्यादा हैवी दिख सकता है। मेकअप में वाइब्रेंट शेड्स का यूज न करें।

फुटवियर हो आरामदायक

फेस्टिवल लुक क्रिएट कर रही हैं तो गलती से भी हाई हील्स नहीं पहननी चाहिए। ऐसे फुटवियर चुनें जो आरामदायक हो। साड़ी के साथ स्नीकर्स काफी ट्रेंड में हैं, आप भी इसे भी ट्राई कर सकती हैं। इसके अलावा स्ट्रेपी स्लीपर्स सही रहती हैं, क्योंकि पैरों को ये एक बढ़िया फिटिंग देती हैं।

डिनर के बाद 10 मिनट टहलने से मिलते हैं छह बड़े फायदे, आज से ही दिनचर्या में शामिल करें ये आदत

रात के खाने के बाद टहलना एक बहुत अच्छी आदत है, इस छोटी सी आदत को अपनाकर आप कई समस्याओं को साध सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के फायदों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और डेस्क जॉब के कल्चर ने हमारी शारीरिक सक्रियता को काफी कम कर दिया है। अक्सर लोग रात का भारी खाना खाने के तुरंत बाद सो जाते हैं या सोफे पर बैठकर टीवी देखने लगते हैं, जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, रात के भोजन के बाद केवल 10 से 15 मिनट की सैर आपके शरीर में जादुई बदलाव ला सकती है।

यह छोटी सी आदत न केवल आपके पाचन तंत्र को मजबूत करती है, बल्कि मेटाबॉलिज्म को तेज कर वजन घटाने में भी मदद करती है। आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा दोनों ही भोजन के बाद 'शतपावली' (सौ कदम चलना) को अनिवार्य मानते हैं। जब आप खाने के बाद टहलते हैं, तो गुरुत्वाकर्षण और शारीरिक गति मिलकर भोजन को पाचन नली में तेजी से आगे बढ़ाते हैं, जिससे गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी जैसी समस्याओं से स्थायी राहत मिलती है। यह आदत आज के समय में कब्ज, एसीडिटी जैसी समस्याओं से बचने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है।

पाचन तंत्र को मिलती है जबरदस्त मजबूती

रात के खाने के बाद टहलने का सबसे बड़ा फायदा बेहतर पाचन है। पैदल चलने से पेट और आंतों की सक्रियता बढ़ती है, जिससे गैस्ट्रिक एंजाइम तेजी से स्रावित होते हैं। यह प्रक्रिया कब्ज की समस्या को जड़ से खत्म करने में सहायक है। जो लोग नियमित रूप से खाने के बाद टहलते हैं, उनमें अपच और भारीपन की शिकायत न के बराबर होती है।

ब्लड शुगर लेवल को करता है नियंत्रित

डायबिटीज के मरीजों के लिए डिनर के बाद टहलना किसी वरदान से कम नहीं है। भोजन के तुरंत बाद टहलने से शरीर में इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ती है और खून में शुगर का लेवल अचानक नहीं बढ़ता। शोध बताते हैं कि भोजन के बाद थोड़ी देर टहलना टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में काफी प्रभावी साबित होती है।

वजन घटाने और मेटाबॉलिज्म में सहायक

अगर आप पेट की जिद्दी चर्बी से परेशान हैं, तो यह आदत आपके लिए जरूरी है। पैदल चलने से कैलोरी बर्न होती है और मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, जो रात के समय आमतौर पर धीमा हो जाता है। यह शरीर को भोजन से प्राप्त ऊर्जा का सही उपयोग करने में मदद करता है, जिससे अतिरिक्त कैलोरी फैट के रूप में जमा नहीं हो पाती।

हृदय स्वास्थ्य और कोलेस्ट्रॉल में सुधार

नियमित रूप से टहलना आपके दिल की सेहत के लिए बेहतरीन है। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। बेहतर रक्त प्रवाह धमनियों को स्वस्थ रखता है, जिससे हृदय रोगों और स्ट्रोक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। हृदय को फिट रखने का यह सबसे किफायती और अच्छा तरीका है।

मानसिक तनाव कम कर मिलती है गहरी नींद

रात की सैर केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी है। यह शरीर में 'एंडोर्फिन' हार्मोन रिलीज करती है, जो तनाव और चिंता को कम करता है। भोजन के बाद ताजी हवा में टहलने से दिमाग शांत होता है, जिससे आपको जल्दी और गहरी नींद आती है। अनिद्रा के मरीजों के लिए यह रामबाण इलाज है।

इम्यूनिटी बढ़ाकर रखता है ऊर्जावान

जब आपका पाचन और नींद सही होती है, तो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता अपने आप बढ़ जाती है। टहलने से शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और आप अगले दिन अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं। यह छोटी सी दिनचर्या आपकी उम्र बढ़ाती है और आपको मौसमी बीमारियों से लड़ने की ताकत देती है।

शुरू करें नई शुरुआत

ध्यान रखें कि भोजन के बाद आपको दौड़ना या भारी व्यायाम नहीं करना है, बल्कि धीमी गति से सहजता के साथ सिर्फ टहलना है। आरामदायक जूते पहनें और अपने घर के पास या छत पर ही इस आदत को शुरू करें। सेहत की ओर बढ़ाया गया यह 10 मिनट का छोटा कदम आपके भविष्य को निरोगी और खुशहाल बना सकता है।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के इलाज का खर्च उठाएगी सरकार, मिलेगा ₹1.5 लाख तक का कैशलेस इलाज, समझ लीजिए सारे नियम

प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) का पता अब बदल गया है। नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नए पीएम ऑफिस 'सेवा तीर्थ' और 'कर्तव्य भवन' 1 व 2 का उद्घाटन किया। वे नए पीएमओ शिफ्ट हो गए हैं। इससे पहले अब तक पीएम ऑफिस साउथ ब्लॉक में था। सेवा तीर्थ पहुंचने के बाद अपने पहले बड़े फैसलों में, PM नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रोड एक्सीडेंट के पीड़ितों के लिए फ्री मेडिकल केयर, लखपति दीदियों का टार्गेट दोगुना करने और एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, 10,000 करोड़ रुपये के कॉर्पस के साथ स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 से जुड़ी फाइलों पर साइन किए। PMO ने कहा कि ये फैसले सेवा की भावना दिखाते हैं और समाज के हर वर्ग को छूते हैं।

PM RAHAT योजना क्या है?

पीएम मोदी ने PM रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स हॉस्पिटलाइजेशन एंड एश्योर्ड ट्रीटमेंट (RAHAT) शुरू की है, जिसके तहत पीड़ितों (जिनका एक्सीडेंट हुआ हो) को 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि तुरंत मेडिकल मदद न मिलने की वजह से किसी की जान न जाए।

दिया जाएगा स्पेशल ट्रीटमेंट

पीएम राहत स्कीम में यह बताया गया है कि हर रोड एक्सीडेंट के पीड़ित को बिना जान के खतरे वाले मामलों में 24 घंटे तक तय अस्पतालों में स्टेबिलाइजेशन ट्रीटमेंट दिया जाएगा। वहीं जान के खतरे वाले मामलों में यह लिमिट 48 घंटे की होगी।

इस योजना के तहत दी जाने वाली मदद का खर्च सरकार उठाएगी। इलाज के बाद, अस्पताल रीइंबर्समेंट के लिए डिजिटली क्लेम सबमिट करेंगे।

इस योजना में :

आपको एनरोल करने की जरूरत नहीं है
आपको इंश्योरेंस की जरूरत नहीं है
आपको इनकम प्रूफ की जरूरत नहीं है

ये हैं इस स्कीम की लिमिट

कवरेज ₹1.5 लाख तक है
इलाज का समय 7 दिनों तक सीमित है
सिर्फ पैनल वाले अस्पताल ही कैशलेस सर्विस देते हैं
लंबे समय तक चलने वाले रिहैबिलिटेशन के लिए अधिक फंडिंग की जरूरत हो सकती है

लखपति दीदियों के लिए एलान

PM ने लखपति दीदियों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। PMO ने कहा, "सरकार ने 3 करोड़ लखपति दीदियों का आंकड़ा पार कर लिया है, जो मार्च 2027 की तय समय-सीमा से एक साल से भी ज्यादा पहले है। PM ने अब मार्च 2029 तक छह करोड़ लखपति दीदियों का एक नया और पहले से बड़ा लक्ष्य रखा है, जिससे पैमाना और उम्मीद दोनों दोगुनी हो गई हैं।

किसानों के लिए बड़ा एलान

एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का लोन टार्गेट दोगुना करके ₹2 लाख करोड़ किया गया है। भारत की पूरी एग्रीकल्चर वैल्यू चेन को मजबूत करने के मकसद से, PM ने एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के लोन टार्गेट को ₹1 लाख करोड़ से दोगुना करके ₹2 लाख करोड़ करने की घोषणा की है।

स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0

भारत के इनोवेशन इकोसिस्टम को पावर देने के लिए, खासकर डीप टेक, शुरुआती स्टेज के आइडिया, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और ब्रेकथ्रू टेक्नोलॉजी में, PM ने ₹10,000 करोड़ के कॉर्पस के साथ स्टार्टअप इंडिया FoF 2.0 को मंजूरी दी है।

यूएई के बजाय अब अमेरिका से सोना-चांदी का आयात बढ़ाएगा भारत

भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पहले ही अमेरिका से तेल और गैस की खरीद बढ़ाई है। अब सरकार की योजना कीमती धातुओं के आयात में भी बदलाव करने की है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, भारत अब यूएई के बजाय अमेरिका से अधिक सोना और चांदी खरीदने की तैयारी कर रहा है।

इस कदम से सोना-चांदी की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है और अमेरिका के साथ व्यापार संतुलन (ट्रेड सरप्लस) भी कम हो सकता है।

अमेरिका सोना और चांदी के व्यापार का एक बड़ा वैश्विक केंद्र है। वह सोना (जिसमें स्क्रैप और वेस्ट भी शामिल है) और चांदी का बड़े पैमाने पर निर्यात करता है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका कनाडा, भारत और ब्रिटेन जैसे देशों को अरबों डॉलर की कीमती धातुएं निर्यात करता है। इन निर्यातों में कच्चा, परिष्कृत और आभूषण रूप में तैयार सोना-चांदी शामिल होता है।

भारत अमेरिका को लगभग 2.8 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद निर्यात करता है, जबकि अमेरिका से करीब 1.5 अरब डॉलर का आयात करता है। इस तरह गैर-समुद्री कृषि उत्पादों में भारत को करीब 1.3 अरब डॉलर का व्यापारिक अधिशेष (सरप्लस) हासिल है।

अधिकारी ने बताया कि भारत में आयात होने वाले किसी भी कृषि उत्पाद को जैव-सुरक्षा मानकों को पूरा करना होगा। देश में जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) खाद्य पदार्थों की अनुमति नहीं है। अमेरिका से आयात होने वाले कुछ कृषि उत्पादों पर टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) भी लागू है।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता भारत के डेटा सेंटर उद्योग के लिए बड़ा अवसर साबित हो सकता है। इससे उन्नत तकनीक तक पहुंच, निवेश में वृद्धि और परिचालन लागत में कमी आएगी।

पहले एंटरप्राइज जीपीयू सर्वर पर 20 से 28 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगता था, जिससे भारत में डेटा सेंटर स्थापित करना सिंगापुर जैसे देशों की तुलना में महंगा पड़ता था। अब शुल्क में कटौती से जीपीयू-तैयार डेटा सेंटर स्थापित करने की लागत लगभग 14 प्रतिशत तक कम होने की संभावना है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत व्यापक टैरिफ कटौती, कई उत्पाद श्रेणियों में शून्य शुल्क पहुंच, डिजिटल और तकनीकी सहयोग में वृद्धि तथा किसानों, एमएसएमई और घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के लिए संतुलित ढांचा तैयार किया गया है।

साल 2024 में अमेरिका को भारत का कुल निर्यात 86.35 अरब डॉलर रहा। इस समझौते से टेक्सटाइल, लेदर, रत्न एवं आभूषण, कृषि, मशीनरी, होम डेकोर, फार्मास्यूटिकल और टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

समझौते के तहत 30.94 अरब डॉलर के निर्यात पर लगने वाला शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं 10.03 अरब डॉलर के निर्यात पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। इससे बड़ी मात्रा में भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में कम शुल्क या पूरी तरह शुल्क-मुक्त पहुंच के साथ प्रवेश कर सकेंगे, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता काफी बढ़ेगी।

भारत की आर्थिक वृद्धि में निवेश और विस्तार के बड़े अवसर मौजूद : वित्त मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय देश नॉर्वे की आधिकारिक यात्रा पर गई वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वहां के लीडर्स से कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि में निवेश और विस्तार के बड़े अवसर मौजूद हैं।

नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, विशेष रूप से सौर ऊर्जा, रेयर अर्थ प्रोसेसिंग, कार्बन कैप्चर और स्टोरेज में साथ मिलकर काम करने पर चर्चा की।

वित्त मंत्रालय के एक पोस्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) का लाभ उठाते हुए विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी, ग्रीन इकोनॉमी के साथ-साथ सॉवेरन वेल्थ और पेंशन फंड के माध्यम से निवेश के क्षेत्रों में काम करने पर सहमति व्यक्त की।

स्टोल्टेनबर्ग ने विदेश मंत्री सीतारमण को बताया कि नॉर्वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस साल के अंत में होने वाली यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा है और उम्मीद जताई कि इससे भारत-नॉर्वे सहयोग और बढ़ेगा। सीतारमण ने ओस्लो स्थित संसद (स्टोर्टिंग) में वित्त समिति की प्रमुख तुवा मोफ्लैग, ईएफटीए समिति की उप प्रमुख ट्राइन लिसे सुंडनेस और नॉर्वे की संसद में भारतीय-नॉर्वेजियन मैत्री समूह के प्रमुख हिमांशु गुलाटी से भी बातचीत की।

मंत्रालय ने कहा, समिति के सदस्यों को यह जानकर खुशी हुई कि प्रधानमंत्री मोदी इस वर्ष के अंत में नॉर्वे की यात्रा करेंगे और उन्होंने आशा व्यक्त की कि इससे द्विपक्षीय सहयोग में और वृद्धि होगी।

वित्त मंत्री ने समिति के सदस्यों को गिफ्ट-आईएफएससी का दौरा करने के लिए भी आमंत्रित किया और बताया कि यह एक विश्व स्तरीय वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी वित्तीय केंद्र है जो वित्तीय संस्थानों के लिए बुनियादी ढांचा और सेवाएं प्रदान करता है, साथ ही आईएफएससी के अंतर्गत काम करने वाली संस्थाओं के लिए विभिन्न कर लाभ और उदारीकृत नियामक व्यवस्था भी प्रदान करता है।

उनका नॉर्वे के सीईओ और निवेशकों के साथ गोलमेज चर्चा करने और एक सामुदायिक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों से मिलने का भी कार्यक्रम था।

यूएस ने 24 घंटे में पश्चिम एशिया भेजे 50 से ज्यादा लड़ाकू विमान; ईरान की धमकी- ऐसा मारेंगे उठेंगे नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। पहले खबर आई कि अमेरिका ने अपने दो युद्धपोत पश्चिम एशिया में तैनात किए हैं। जिसके बाद आशंका हुई कि अमेरिका, ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अब खबर आई है कि अमेरिका ने बीते 24 घंटे में 50 से ज्यादा लड़ाकू विमान पश्चिम एशिया भेजे हैं। इसे अमेरिका द्वारा ईरान के आसपास अपनी नौसैन्य और वायु सेना की तैनाती बढ़ाने के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिकी सेना को धमकी दी है कि दुनिया की सबसे ताकतवर सेना पर भी ऐसा हमला होगा कि वे दोबारा उठ नहीं पाएंगे।

ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका सेना के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में हो रही बातचीत में प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होनी है। बीते हफ्ते ही अमेरिका ने अपने सबसे बड़े युद्धपोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड को पश्चिम एशिया में तैनात किया है। साथ ही यूएसएस अब्राहम लिंकन पहले से ही पश्चिम एशिया में तैनात है। अब 50 से ज्यादा अतिरिक्त लड़ाकू विमान भेजने को अमेरिका द्वारा ईरान पर दबाव बनाने के तौर पर देखा जा रहा है।

खामेनेई ने दी अमेरिका को धमकी

अमेरिका द्वारा सैन्य तैनाती बढ़ाने के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में अमेरिका को धमकी दी है। खामेनेई ने लिखा, 'अमेरिका द्वारा लगातार कहा जा रहा है उन्होंने ईरान की तरफ युद्धपोत भेजा है। बेशक एक युद्धपोत बेहद खतरनाक होता है, लेकिन उससे भी खतरनाक है वो हथियार, जो युद्धपोत को समुद्र की गहराई में डुबो सकता है।'

खामेनेई ने ईरान की परमाणु महत्वकांक्षा पर भी अपने विचार रखे। खामेनेई ने लिखा 'यह बात कि परमाणु ऊर्जा हमारा हक है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की गाइडलाइंस में भी शामिल है। यानी, सभी देशों को परमाणु और परमाणु संवर्धन रखने का हक है। यह एक देश के हक में से एक है। अमेरिका इसमें दखल क्यों दे रहा है?'

अमेरिकी संसद भवन की तरफ हथियार लेकर दौड़ा 18 वर्ष का किशोर, सुरक्षाबलों ने किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद भवन (यूएस कैपिटल) की सुरक्षा में उस समय हलचल मच गई जब एक 18 वर्षीय युवक लोडेड शॉटगन के साथ इमारत की ओर बढ़ता हुआ पाया गया। यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल पुलिस (USCP) ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत उसे घेरकर गिरफ्तार कर लिया। त्वरित कार्रवाई के चलते घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जॉर्जिया के स्मिर्ना निवासी कार्टर कामाचो के रूप में हुई है। वह मंगलवार दोपहर कैपिटल के लोअर वेस्ट टेरेस की दिशा में हथियार लेकर जा रहा था, तभी ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों की नजर उस पर पड़ गई। अधिकारियों ने उसे रोकते हुए हथियार नीचे रखने और जमीन पर लेटने का आदेश दिया, जिसका उसने पालन किया और उसे बिना किसी प्रतिरोध के हिरासत में ले लिया गया।

कैसे पकड़ा गया आरोपी?

कैपिटल पुलिस प्रमुख माइकल सुलिवन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी कैपिटल की सीढ़ियों के आधार तक पहुंच गया था, इससे पहले कि उसे पकड़ा गया। मुठभेड़ के दौरान अधिकारियों ने एहतियातन अपने हथियार भी निकाल लिए थे।

आरोपी के पास से क्या-क्या हुआ बरामद?

जांच में पता चला कि आरोपी एक सफेद मर्सिडीज-बेंज एसयूवी से मैरीलैंड एवेन्यू साउथवेस्ट के 100 ब्लॉक तक आया था और वहीं से शॉटगन लेकर बाहर निकला। वाहन से केव्लर हेलमेट, गैस मास्क और अतिरिक्त गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। पुलिस ने यह भी बताया कि वाहन आरोपी के नाम पर पंजीकृत नहीं था।

अधिकारियों के मुताबिक, संदिग्ध टैक्टिकल वेस्ट और टैक्टिकल ग्लव्स पहने हुए था और उसके पास कई राउंड गोलियां भी थीं। उसे गैरकानूनी गतिविधियों, बिना लाइसेंस राइफल रखने, अपंजीकृत हथियार और अपंजीकृत गोला-बारूद रखने जैसे आरोपों में चार्ज किया गया है। फिलहाल कैपिटल पुलिस की थ्रेट असेसमेंट यूनिट उसके मकसद की जांच कर रही है।

घटना के बाद इलाके की सुरक्षा बढ़ाई गई

घटना के बाद इलाके में यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और लोगों को उस क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नियमित सुरक्षा अभ्यास और एक्टिव थ्रेट ड्रिल्स की वजह से पुलिस की प्रतिक्रिया तेज और प्रभावी रही। वहीं, पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस घटना का आगामी स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन की सुरक्षा व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

नॉर्वे के प्रधानमंत्री बोले- भारतीय समकक्ष के दौरे का बेसब्री से इंतजार, मजबूत होंगे संबंध

नॉर्वे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साल के अंत में नॉर्वे की यात्रा कर सकते हैं। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा कि वे इस साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस यात्रा में द्विपक्षीय सहयोग का और विस्तार होगा। ओस्लो में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात के दौरान स्टोर ने भारत की सुधार संबंधी प्रगति की सराहना की। वहीं, उन्होंने कहा कि नॉर्वे और भारत मत्स्य पालन, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, समुद्री और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने नॉर्वे में भारतीय प्रवासियों के योगदान की भी प्रशंसा की।

वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने ईएफटीए और टीईपीए के संचालन पर भी चर्चा की। दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की, जिनमें उच्च-तकनीकी विनिर्माण, कार्बन कैप्चर स्टोरेज, स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित क्षेत्र शामिल हैं। सीतारमण ने ओस्लो में व्यापार और उद्योग मंत्री सेसिली मैसरेथ और यहां तक कि मत्स्य पालन और महासागर नीति के राज्य सचिव ट्रॉनस्टैड सेजबक्कन से मुलाकात की।

नेताओं ने हरित प्रौद्योगिकी, दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण, समुद्री और जहाजरानी उद्योग और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में गहरा सहयोग स्थापित करने और पारस्परिक अवसरों की खोज करने के तरीकों पर चर्चा की।विशेष रूप से भारत के ईएफटीए और टीईपीए समझौतों के संदर्भ में। मैसरेथ ने बताया कि वह और उनकी टीम इस साल के अंत में होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

सीतारामण ने गोलमेज बैठक में भी भाग लिया

सचिव सेजबक्केन ने नॉर्वे के समुद्री उद्योग में भारत द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका का भी बात की। वित्त मंत्री ने कहा कि टीईपीए का प्रभावी संचालन दोनों पक्षों के लिए पारस्परिक लाभ को बढ़ावा देगा और वह इसके समय पर संचालन की प्रतीक्षा कर रही हैं। सीतारामण ने ओस्लो में नॉर्वे के प्रमुख सीईओ और निवेशकों के साथ एक गोलमेज बैठक में भी भाग लिया। नॉर्वे के व्यापार और निवेश समुदाय के 35 से अधिक सीईओ और शीर्ष स्तर के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

उन्होंने कहा कि नॉर्वे की उनकी आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत को एक निवेश गंतव्य और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में लेकर आकर्षक और सकारात्मक चर्चाएं हुईं। भारत के विस्तारित व्यापार ढांचे - जिसमें ईएफटीए, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ समझौते शामिल हैं - के आलोक में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने भारत में उन परिस्थितियों पर प्रकाश डाला जो व्यापार, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक निवेश के लिए एक टिकाऊ ढांचा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 भारत सरकार के उन सुधारों पर भी जोर देता है जिनका उद्देश्य नागरिकों और कंपनियों के लिए नियामक और अनुपालन संबंधी बोझ को कम करना है।

स्मोकिंग से ब्रेन स्ट्रोक होने पर डिसेबिलिटी पेंशन नहीं: सुप्रीम कोर्ट ने एक्स-आर्मी ऑफिसर का दावा खारिज किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिव्यांग पेंशन की याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पूर्व सैनिक को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की अपील को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ये हालत उसकी खुद की वजह से हुई है। वह रोज 10 बीड़ी पीता है जिससे उसकी ऐसी हालत हुई है। वह अपने किए का खुद जिम्मेदार है।

याचिका पर जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले सुनवाई कर रहे थे। दरअसल, याचिकाकर्ता ने AFT यानी आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल में याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसले में बदलाव से इनकार कर दिया है और अपील खारिज कर दी। जस्टिस ने साफ कहा कि याचिकाकर्ता को ब्रेन स्ट्रोक सैन्य सेवा से नहीं, बल्कि रोज

10 बीड़ी पीने की वजह से आश है।

ब्लैकमेल से नहीं सहमति से संबंध।।। इलाहाबाद HC ने सरकारी अधिकारी से रेप के आरोप हटाए

कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में मुआवजा नहीं दिया जा सकता, जहां दिव्यांगता किसी व्यक्ति के अपने नियंत्रण की चीज से पैदा हुई हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने पेंशन रेग्युलेशन को देखकर फैसला दिया है। इसी वजह से AFT का फैसला बरकरार रहेगा।

जानें किस आधार पर याचिका की खारिज

जानकारी के मुताबिक, सर्वेश कुमार को ब्रेन स्ट्रोक आया था। ऐसा होने पर सर्वेश ने दिव्यांग पेंशन की मांग शुरू कर दी। उनका दावा है कि सैन्य सेवा के चलते उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आया है और उनकी स्थिति ऐसे हुद्र है। उन्होंने दिव्यांग पेंशन की मांग को लेकर AFT में अपील की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद सर्वेश सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। SC ने मेडिकल रिपोर्ट और मेडिकल बोर्ड की राय पर गौर किया। जिसमें कहा गया था कि सर्वेश रोज 10 बीड़ी पीने की आदत थी, उसी वजह से वह इस हालत में पहुंचा है। सैन्य सेवा का इससे कोई लेन-देना नहीं है।

क्या बोला सुप्रीम कोर्ट?

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले ने कहा, ट्रिब्यूनल ने 'पेंशन रेगुलेशन फॉर द आर्मी, 1961' के नियम 173 और 'गाइड टू मेडिकल ऑफिसर्स, 2002' के पैरा 6 पर ध्यान दिया है। ये नियम स्पष्ट करते हैं कि यदि कोई विकलांगता या मृत्यु शराब, 'तंबाकू' या नशीली दवाओं के अत्यधिक सेवन या यौन संचारित रोगों के कारण होती है, तो उसके लिए मुआवजा नहीं दिया जा सकता। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये चीजें व्यक्ति के स्वयं के नियंत्रण में होती हैं।

दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मिले गूगल सीईओ सुंदर पिचाई, एआई समिट पर हुई बड़ी चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई बुधवार को दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले, क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 शुरू हो गया है। वे इस बड़े इवेंट में शामिल होने के लिए यहां आए हैं, और रिपोर्ट के मुताबिक, वे 20 फरवरी को एक कीनोट स्पीच देंगे। देश में आने के कुछ ही समय बाद, पिचाई ने एक्स (पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर पोस्ट किया कि वे वापस आकर खुश हैं और उन्होंने सभी को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026, 16 फरवरी से 20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहा है। यह ग्लोबल साउथ में इतने बड़े लेवल पर होने वाला पहला ग्लोबल एआई समिट है।

दुनिया भर से कई पॉलिसीमेकर, ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर, स्टार्टअप, एआई रिसर्चर, एकेडेमिशियन, इनोवेटर, हेल्थकेयर लीडर और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि अपने इनोवेशन शेयर करने के लिए आए हैं। इसमें 110 से ज़्यादा देश और लगभग 30 इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें कई हेड ऑफ़ स्टेट और मिनिस्टर शामिल हैं। एआई समिट का मकसद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ग्लोबल सहयोग को मजबूत करना है, और न सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर में गवर्नेंस, सेफ्टी और बड़े सामाजिक असर पर फोकस करना है।

'लोग, प्लैनेट, प्रोग्रेस' पर फोकस

यह समिट तीन चीज़ों के बारे में हैः लोग, प्लैनेट और प्रोग्रेस। इसका मतलब है कि एआई बनाते समय इंसानों को पहले रखना, यह पक्का करना कि हमारी टेक पर्यावरण की मदद करे, और ऐसी ग्रोथ को बढ़ावा देना जिसमें सभी शामिल हों। यह भारत की अपनी सोचः सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय से मेल खाता है, जो सभी की भलाई और खुशी के बारे में है। इसका मकसद एआई का इस्तेमाल करके इंसानियत की मदद करना और इसके फ़ायदे दुनिया भर में शेयर करना है।

एआई और मौकों पर PM मोदी ने खुलकर बात की

पीएम मोदी का कल एएनआई ने इंटरव्यू लिया, जिसमें उन्होंने एआई और युवाओं के लिए इसके फ़ायदों के बारे में खुलकर बात की, खासकर जब IT सेक्टर की बात हो। उन्होंने कहा कि उन्हें एआई में मौके और चुनौतियों के लिए बहुत पोटेंशियल दिखता है। उनके हिसाब से, स्मार्ट आउटसोर्सिंग और ऑटोमेशन एआई से पावर्ड हैं जो भारत की IT इंडस्ट्री को 2030 तक USD 400 बिलियन तक पहुंचाने में मदद कर सकते हैं। उन्हें लगता है कि एआई सब कुछ बदल देगा और कंपनियों को सिर्फ़ आम सर्विसेज़ से आगे बढ़कर कटिंग-एज, एआई-ड्रिवन सॉल्यूशन बनाने के लिए मोटिवेट करेगा। यह समिट निश्चित रूप से भारतीय एआई डेवलपमेंट में एक माइलस्टोन जैसा लगता है। यह आगे बढ़ रहा है और दुनिया को दिखा रहा है कि हमारा देश ज़िम्मेदार, इनक्लूसिव एआई और आगे के डेवलपमेंट में लीड करने के लिए तैयार है।

फिल्म कैनेडी बदल देगी आपका करियर, सनी लियोन ने साझा किए फिल्म से जुड़े अनुभव

एक्ट्रेस सनी लियोन जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी' में नजर आएंगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस फिल्म से जुड़े किस्से शेयर किए। साथ ही बताया कि कैसे ये फिल्म उनके करियर में बड़ा बदलाव ला सकती है।

सनी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह उन फिल्मों में से एक है, जिसके बारे में जिन भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मैं मिली, उन्होंने कहा- 'यह वही फिल्म है, जो आपकी इमेज या करियर बदल देगी।' मुझे सच में लगता है कि यह फिल्म मुझे एक अलग मुकाम पर ले जा सकती है और उम्मीद है कि इसके बाद मुझे और अच्छा काम मिलेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'अनुराग सर और मैंने साथ में कई खास पल शेयर किए। हम अपने अतीत, जिंदगी के अनुभवों और अलग-अलग कहानियों के बारे में बात करते थे। मुझे महसूस हुआ कि मुझे सच में देख या सुन रहा है। मैं सुरक्षित महसूस करती थी, और उसी वजह से मैं स्क्रीन पर भी बेहतर प्रदर्शन कर पाई।'

सनी ने कहा, 'यह बहुत जरूरी होता है, लेकिन बहुत कम लोग आपको ऐसा माहौल देते हैं, जहां आप सुरक्षित महसूस करें। जब आपको लगता है कि आप अच्छे हाथों में हैं, तब आप खुलकर अपना काम कर पाते हैं।'

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'कैनेडी' में सनी लियोन के साथ राहुल भट्ट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना बटोरने के बाद अब यह फिल्म भारत में 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हो रही है।

इस फिल्म में सनी 'चार्ली' का किरदार निभा रही हैं, जो मुख्य किरदार उदय शेट्टी की दुनिया में उलझ जाती है। उदय शेट्टी का रोल राहुल भट्ट ने निभाया है, जो फिल्म में एक पहले एक पुलिसवाला रहता है और बाद में कॉन्ट्रैक्ट किलर बन जाता है। सनी के मुताबिक, चार्ली एक रहस्यमयी, नाजुक लेकिन अंदर से मजबूत लड़की है।

शाहिद कपूर ने फर्जी 2 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट, बोले- इसके लिए बहुत उत्साहित हूं

शाहिद कपूर इस वक्त हालिया रिलीज फिल्म ओ रोमियो को लेकर चर्चाओं में घिरे हैं। यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल कर रही है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। वहीं कई फैंस शाहिद की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज फर्जी के दूसरे सीजन को लेकर उत्साहित दिख रहे हैं, क्योंकि अभिनेता ने कुछ दिन पहले ही सीरीज से जुड़ी आधिकारिक पोस्ट साझा की थी। अब उन्होंने खुद फर्जी 2 को लेकर सबसे बड़ा अपडेट दे डाला है।

शाहिद ने पुष्टि की है कि वह बहुत जल्द फर्जी 2 की तैयारी में जुट रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले ही कुछ बिल्कुल अलग तरह की भूमिका में आ चुका हूं। मैं फिलहाल कॉकटेल 2 की शूटिंग कर रहा हूं। मैंने ओ रोमियो की शूटिंग खत्म होते ही इसकी शूटिंग खत्म कर दी थी। अब जब ओ रोमियो रिलीज हो चुकी है, तो मैं फर्जी 2 की शूटिंग शुरू करूंगा, जिसके लिए बहुत उत्साहित हूं।

शाहिद ने आगे कहा, मुझे अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाना पसंद है, इससे एक अभिनेता के तौर पर खुद को तरोताजा करने में मदद मिलती है। इससे पहले सीरीज के निर्देशक राज एंड डीके ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, दूसरा दौर शुरू हो गया है। साथ में खूब सारे नोटों की तस्वीर साझा की थी। बता दें, अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज फर्जी 2023 में आई थी जिसमें विजय सेतुपति, राशि खन्ना, केके मेनन जैसे सितारे थे।

आरुषि चावला द 50 से हुई बाहर, महल बना जंग का मैदान

द 50 शो इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में बना हुआ है, जिसमें सभी खिलाड़ियों के बीच खतरनाक लड़ाई देखने को मिल रही है। आरुषि चावला को द 50 से एविक्शन ऑर्डर मिला। उनका नाम अनाउंस होने के बाद वह फूट-फूट कर रोने लगीं। महल से बाहर निकलते समय उन्होंने कृष्णा, ऋषि, शीनू, रिधिमा और करण से कहा कि उन्होंने उन्हें गलत समझा है। गेम के दौरान आरुषि के गेम खेलने की जमकर बुराई भी की, जब उन्होंने नेहल चुडासमा को डेंजर जोन में भेज दिया और उन पर शो में दोनों पार्टियों का साथ देने का भी आरोप लगा। उन्होंने अपना बचाव करते हुए कहा, मैं वैसी नहीं हूं, जो कुछ सोचती है कुछ बोलती है। ये एपिसोड आरुषि के कारण चर्चा में बना हुआ है।

आरुषि चावला कौन हैं, जो सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई हैं। यह सवाल हर किसी के दिमाग में चल रहा है। आरुषि एक एक्ट्रेस, मॉडल और डांसर हैं। उनका जन्म 1994 में दिल्ली में हुआ था। आरुषि ने माउंट कार्मेल स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की और बाद में श्री वेंकटेश्वर कॉलेज से हायर स्टडीज की, जहां उन्होंने केमिस्ट्री में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की। 2017 में आरुषि डांस फैकल्टी मेंबर के तौर पर ववःर् डांस क्रू में शामिल हुईं। उसके बाद साल 2018 में उन्होंने अपना खुद का डांस स्टूडियो शुरू किया। इसके बाद उन्हें पैराशूट, हीरो बाइक, माउंटेन ब्रीज सट्रिप्स और पॉन्ड्स जैसे कई एडवर्टाइजमेंट ऑफर किए गए। 2020 में आरुषि ने एमटीवी रोडीज रेवोल्यूशन सीजन 17 में हिस्सा लिया। हाल ही में उन्होंने मिस स्कूबा इंडिया 2025 का टाइटल जीता। वह एक फिटनेस फ्रिक भी हैं, जिन्हें डांसिंग, पिलेट्स और कई दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज करते देखा जा सकता है। उनका पूरा इंस्टाग्राम उनकी वर्कआउट पोस्ट से भरा पड़ा है।

द 50 में एक टेंशन वाला पल पूरे महल में तब झगड़े में बदल गया, जब डेंजर जोन को लेकर हुई अनबन से आरुषि और करण के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई। बहस डेंजर जोन चुनने से ठीक पहले शुरू हुई। आरुषि ने भेजे जाने के आइडिया का कड़ा विरोध किया और जोर देकर कहा कि उसे बचाने के लिए कोई अलायंस नहीं है और वह एक आसान टारगेट होगी, लेकिन करण पटेल ने उसकी बात को खारिज कर दिया और उसे नेगेटिव कहा। इस पर आरुषि ने पलटवार करते हुए कहा, तुम घमंडी हो करण पटेल। नेहल चुडासमा ने करण का बचाव करते हुए आरुषि को नार्सिसिस्टिक कहा, जबकि रिद्धि डोगरा ने उस पर दोमुंहा होने का आरोप लगाया और उसे सांप तक बोल दिया।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com